दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 210/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 01 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी ने कहा कि हमने बजट में पीएम धन धान्य कृषि योजना का ऐलान किया है। इसके तहत देश के 100 सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले जिलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है।

हम ऐसे भारत के निर्माण में जुटे, जहां किसान समृद्ध और सशक्त हो: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कृषि और ग्रामीण समृद्धि विषय पर वेबिनार को संबोधित किया। बजट के बाद के इस वेबिनार में पीएम मोदी ने कहा, इस वर्ष का बजट हमारी सरकार के तीसरे टर्म का पहला पूर्ण बजट था। इस बजट में हमारी नीतियों में निरंतरता दिखी ही है, साथ ही विकसित भारत के विजन में नया विस्तार भी दिखा है। विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे भारत के संकल्प बहुत स्पष्ट हैं। हम सभी मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में जुटे हैं, जहां किसान समृद्ध हो, किसान सशक्त हो।

हमारा प्रयास है कि कोई किसान पीछे न छूटे

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई किसान पीछे न छूटे। हर एक किसान को आगे बढ़ाएं। हमने कृषि को विकास का पहला इंजन मानते हुए अपने अन्नदाताओं को गौरवपूर्ण स्थान दिया है। हम दो बड़े लक्ष्यों की ओर एक साथ बढ़ रहे हैं- पहला, कृषि सेक्टर का विकास और दूसरा, हमारे गांवों की समृद्धि। पीएम किसान सम्मान निधि योजना 6 साल पहले लागू की गई थी। इस योजना के तहत लगभग पौने 4 लाख करोड़ रुपए किसानों को मिल चुके हैं।

किसान केंद्रित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार

उन्होंने कहा कि हमने एक किसान केंद्रित डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, ताकि देशभर के किसानों तक इस योजना का लाभ पहुंच सके। आज भारत का कृषि उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर है। 10-11 साल पहले जो कृषि उत्पादन 265 मिलियन टन के करीब था, वो अब बढ़कर 330 मिलियन टन से ज्यादा हो गया है। ये हमारी सरकार के बीज से बाजार तक की अप्रोच का परिणाम है।

सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत करोड़ों गरीबों को घर दिया जा रहा है। स्वामित्व योजना से संपत्ति मालिकों को 'अधिकारों का अभिलेख' मिला है। हमने सेल्फ हेल्प ग्रूप की आर्थिक ताकत बढ़ाई है। हमने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। हमारे प्रयासों से सवा करोड़ से ज्यादा बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं।

पीएम धन धान्य कृषि योजना का ऐलान

पीएम मोदी ने कहा कि हमने बजट में पीएम धन धान्य कृषि योजना का ऐलान किया है। इसके तहत देश के 100 सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले जिले यानी कम उत्पादकता वाले जिलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है। इसलिए, बागवानी, डेयरी और फिशरी प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए इन सेक्टर्स में काफी इंवेस्टमेंट किया गया है। फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा भी की गई है।

मणिपुर-राष्ट्रपति शासन के बाद आज गृह मंत्री की पहली बैठक

हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च तक बढ़ी

इंफाल। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद इस तरह की पहली बैठक होगी। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। 13 फरवरी से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू है।

आज होने वाली सुरक्षा रिव्यू मीटिंग में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, मणिपुर सरकार के शीर्ष अधिकारी, सेना और अर्धसैनिक बल के अधिकारी शामिल होंगे।

उधर राज्यपाल ने उग्रवादियों से हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी है। मणिपुर के इंफाल में शुक्रवार को भी पहाड़ी इलाकें में गोलीबारी की घटना हुई थी।

28 फरवरी को अज्ञात उग्रवादियों ने इंफाल पूर्वी जिले में मैतेई समुदाय के धार्मिक स्थल पर आसपास की पहाड़ियों से गोलीबारी की। यह घटना सुबह करीब 9.30 बजे हुई, जब भारी सुरक्षा घेरे में श्रद्धालुओं का एक समूह मैतेई लोगों के पवित्र स्थल कोंगबा मारू में प्रार्थना करने गया था। अधिकारियों ने बताया कि आसपास की पहाड़ियों से कुल सात राउंड गोलियां चलाई गईं, लेकिन इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

हथियार सरेंडर करने की समय सीमा एक हफ्ते और बढ़ी

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उग्रवादियों से हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी है। मणिपुर के राज्यपाल के घर ने इसके लिए एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि 20 फरवरी को भल्ला ने सभी समुदायों के लोगों, विशेष रूप से घाटियों और पहाड़ियों में रहने वाले लोगों से अनुरोध किया था कि वे सात दिनों के भीतर लूटे गए हथियार और गोला-बारूद को नजदीकी पुलिस थानों, चौकियों या सुरक्षा बलों के शिविर में आत्मसमर्पण कर दें।

सरकार का बड़ा फैसला, पासपोर्ट बनवाने के लिए सर्टिफिकेट तय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वालों के लिए नियमों में संशोधन किया है। नए संशोधनों के मुताबिक अब 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद पैदा हुए आवेदकों के लिए सरकारी और उपयुक्त अधिकारियों द्वारा जारी किया गया बर्थ सर्टिफिकेट ही जन्म तिथि का एकमात्र प्रमाण होगा। इसके न होने की स्थिति में जन्म तिथि को सही नहीं माना जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा इस सप्ताह 1980 के पासपोर्ट नियमों में संशोधनों को प्रभावी करते हुए एक आधिकारिक नोट जारी किया गया था। इस नोट को लेकर अधिकारियों की तरफ से बताया गया कि संशोधनों के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद नए नियम लागू हो जाएंगे। इन नए नियमों के मुताबिक 1 अक्तूबर 2023 को या उसके बाद पैदा हुए लोगों की जन्म तिथि के प्रमाण के लिए केवल जन्म प्रमाण पत्र ही मान्य होंगे। यह जन्म प्रमाण पत्र किसी जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार, नगर निगम या जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत शक्ति प्राप्त किसी उपयुक्त अधिकारी द्वारा जारी होने चाहिए। इसके अलावा इस तारीख के पहले के आवेदक पुरानी प्रणाली के हिसाब से जन्म तिथि प्रमाण पत्र के रूप में वैकल्पिक दस्तावेज जैसे ड्राइविंग लाइसेंस या स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र भी जमा करा सकते हैं।

सीएम मोहन यादव पहुंचे बालाघाट आदिवासी परंपरानुसार हुआ स्वागत

264.42 करोड़ रुपए के 78 विकास कार्यों का किया लोकार्पण

बालाघाट। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को बालाघाट पहुंच गए हैं। आदिवासी परंपरा के मुताबिक सीएम का स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर पुलिस लाइन के हेलीपैड पर उतरा। मुख्यमंत्री लगभग 264.42 करोड़ रूपए के 78 विकास कार्यों का लोकार्पण व 61.93 करोड़ रुपये के नवीन कार्यों का भूमिपूजन किया। हॉकी एस्ट्रोटर्फ का लोकार्पण किया। दोपहर को वे लांजी गए और कोटेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित कोटेश्वर महोत्सव में सहभागिता दी। शाम को डॉ यादव उज्जैन जाएंगे और कालिदास अकादमी परिसर में विक्रमोत्सव के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में सहभागिता करेंगे।

किसान सम्मेलन में लगाई गई शासकीय योजनाओं की प्रदर्शनी

किसान सम्मेलन में 9 विभागों की शासकीय योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई गई है। इनमें कृषि, उद्यानिकी, सीसीबी, एनआरएलएम, वन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य और स्वास्थ्य विभाग शामिल हैं। मुख्यमंत्री इन सभी प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

14वें बच्चे के पिता बने एलन मस्क

वॉशिंगटन। मशहूर अरबपति कारोबारी एलन मस्क 14वीं बार पिता बने हैं। मस्क की कंपनी न्यूरालिंक से जुड़ीं शिवोन जिलिस ने मस्क के साथ अपने चौथे बच्चे की जानकारी दी है। शिवोन जिलिस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि एलन से बात करने के बाद और अपनी बेटी आर्केडिया के जन्मदिन के मौके पर, मुझे लगता है कि आपको अपने बेटे शेल्डन लिकरगस के बारे में बताना सही होगा।

उत्तराखंड एवलांच मामले में अब तक 47 मजदूर बचाए गए 8 की तलाश जारी

चमोली। उत्तराखंड के चमोली में बर्फ का पहाड़ खिसका जिसकी चपेट में 55 लोग आ गए थे। शनिवार को सुबह इनमें से 14 लोगों निकाला गया और 8 लोगों की तलाश जारी है। जबकि शुक्रवार की रात 8 बजे तक 33 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया था। बर्फ का पहाड़ खिसकने की घटना 28 फरवरी को सुबह 7.15 बजे हुई थी। चमोली के डीएम संदीप तिवारी ने बताया कि सेना के 4 हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया जा रहा है। 7 लोगों को जोशीमठ अस्पताल लाया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन में सेना, आईटीबीपी, बीआरओ, एनडीआरएफ समेत 200 से ज्यादा जवान लगे हुए हैं। घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई है। ब्रिगेडियर एमएस ढिल्लों ने कहा- सेना शुक्रवार सुबह से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है। पूरी रात बचाव अभियान चलाया गया। शनिवार को 14 लोगों को बचाया गया है।

दिल्ली विधानसभा: हेल्थ डिपार्टमेंट पर केग रिपोर्ट पेश

मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं, स्टाफ की कमी, बड़े ऑपरेशन के लिए लंबा इंतजार

नई दिल्ली। दिल्ली छ्रूरेखा गुप्ता ने विधानसभा में हेल्थ डिपार्टमेंट से जुड़ी छ्रत्त रिपोर्ट रखी। 7 पन्नों की रिपोर्ट में बताया गया कि दिल्ली में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी है।

नर्स और डॉक्टर्स की संख्या पर्याप्त नहीं है। महिलाओं के स्वास्थ्य प्रोग्राम में फंडिंग की कमी है। एंबुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं। ढ्ढष्टह्य की कमी है।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की कम से कम 21 मोहल्ला क्लीनिक में टॉयलेट नहीं है। अस्पतालों में स्टाफ की कमी है। बड़े ऑपरेशन के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कोविड-19 के दौरान केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को जो रकम दी थी, उसका इस्तेमाल ही नहीं किया गया। इस रिपोर्ट पर सोमवार को सदन में चर्चा होगी। इस बीच विधानसभा से सस्पेंड ्रक्क विधायकों ने राष्ट्पति से मिलने के लिए समय मांगा है

शराब नीति पर रिपोर्ट में 2002 करोड़ का नुकसान

सीएम रेखा गुप्ता ने 25 फरवरी को सदन में दिल्ली शराब नीति पर छ्रत्त रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट में ्रक्क की गलत शराब नीति की वजह से 2002 करोड़ रुपए नुकसान की बात सामने आई थी। 25 फरवरी को स्त्र के अभिभाषण के दौरान ्रक्क विधायकों ने नारेबाजी की। इसके बाद स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने ्रक्क के 21 विधायकों को निलंबित कर दिया था। गुरुवार को ्रक्क विधायकों ने विधानसभा में 6 घंटे से ज्यादा विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया।

पीएम मोदी और अमित शाह ने नीतीश को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। नीतीश कुमार को बधाई और शुभकामनाएं देने वालों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जैसे नेताओं के नाम शामिल हैं। बिहार में इन दिनों विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर बयानबाजी जारी है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। पीएम के अलावा भाजपा के तमाम दिग्गज नेताओं ने उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। अमित शाह ने कहा, आपके नेतृत्व में बिहार में एनडीए जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बना है। आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना करता हूं।

बहस के बाद व्हाइट हाउस से निकाले गए जेलेंस्की

ट्रम्प के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द, यूक्रेनी राष्ट्रपति का माफी मांगने से इनकार

वॉशिंगटन डीसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बहस के बाद व्हाइट हाउस से बाहर निकाल दिया गया। दोनों नेताओं के बीच करीब 10 मिनट तक तीखी बहस हुई थी।

सीएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि बहस के बाद यूक्रेन के डेलिगेट्स ओवल ऑफिस से निकलकर दूसरे कमरे में चले गए थे। अमेरिकी टीम वहीं रुकी रही। इस दौरान ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति वेंस, विदेश मंत्री रुबियो और हृस्न माइक वाल्ट्ज से बातचीत की।

चर्चा के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने माइक वाल्ट्ज और रुबियो से कहा कि वे जाकर खुद जेलेंस्की को कह दें कि उनके जाने का वक्त हो गया है।

एनकाउंटर में 2 नक्सली ढेर...बड़े नक्सल लीडर्स से मुठभेड़

सुकमा में 500 जवानों ने चारों तरफ से घेरा, रुक-रुककर चल रही फायरिंग

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में जवानों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें एक महिला और एक पुरुष नक्सली है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं, लेकिन पहचान नहीं हो पाई है। मारे गए नक्सलियों को मिलाकर 2025 में 83 नक्सली ढेर हुए हैं। मामला किस्टाराम थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच रुक-रुककर गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि किस्टाराम इलाके में करीब 500 जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। बड़ी संख्या में कोबरा और छ्रत्र के जवान मौके पर मौजूद हैं। नक्सलियों के बड़े लीडर्स से मुठभेड़ हो रही है।

हिमाचल में बर्फबारी, 600 सड़कें बंद

जम्मू-कश्मीर में बारिश से नदियों का लेवल 3-4 फीट बढ़ा, 10वीं-12वीं की एग्जाम डेट आगे बढ़ाई

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश और बर्फबारी जारी है। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में 3 दिन से भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो रही है। 3 मार्च को फिर से बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। वहीं, 5 और 6 मार्च को प्रदेशभर में मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक प्रदेश में तीन दिन की बर्फबारी से 650 से ज्यादा सड़कें और 2300 से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर ठप हो गए हैं। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। कांगड़ा और कुल्लू जिले में बादल फटने से आई बाढ़ में 10 से ज्यादा गाड़ियां बह गई। चंबा और मनाली में भी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, सीबीएसई बोर्ड की परीक्षाएं तय शेड्यूल के हिसाब से होंगी।

जम्मू-कश्मीर में 25 से 28 फरवरी के दौरान गुलमर्ग में सबसे ज्यादा 113 सीएम और सोनमर्ग में 75सीएम बर्फबारी हुई। खराब मौसम की वजह से जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूलों में विंटर वैकेशन 6 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है।

इसके अलावा 10वीं से 12वीं तक की 1 और 3 मार्च को होने वाली परीक्षाओं की तारीख आगे बढ़ाई गई हैं। अब ये एग्जाम 24 और 25 मार्च को कराए जाएंगे। लगातार हो रही बरसात ने सर्दियों में बारिश की कमी को 50त्न तक पूरा कर दिया है। इससे नदियों और अन्य वाटर बॉडीज का लेवल 3 से 4 फीट बढ़ गया है। रामबन जिले बटोत में सबसे ज्यादा 163.7 एमएम बारिश दर्ज की । इसके बाद कटरा में 118 एमएम और बनिहाल में 100 एमएम हुई।

भोपाल-इंदौर में मावठा गिरने का अनुमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में 15 मार्च के बाद हीट वेव यानी, गर्म हवाएं चलने लगेगी। वहीं, दिन-रात का तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री ज्यादा रहेगा। इस दौरान ग्वालियर-चंबल सबसे गर्म रहेंगे, जबकि भोपाल, इंदौर-उज्जैन में मावठा गिर सकता है। मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। हालांकि, अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

गांधीनगर बंजारा बस्ती में नंदेश्वर महादेव शिवलिंग की स्थापना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गांधीनगर वार्ड क्रमांक एक बंजारा बस्ती में शिव पार्वती समिति की अध्यक्ष राधा राजपूत एवं समस्त सहयोगियों द्वारा नंदेश्वर महादेव शिवलिंग की स्थापना की गई स्थापना में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के जिले के उपाध्यक्ष श्री राम बंसल जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे नर्वदेश्वर महादेव शिवलिंग नर्मदा जी के तट से मंडल के पूर्व अध्यक्ष योगेश वासवानी द्वारा लाकर स्थापना करने में विशेष योगदान रहा इस अवसर पर विशेष रूप से नगर के सभी गणमान्य साथी उपस्थित रहे जिसमें मंडल के अध्यक्ष राजू मीणा मीना राधे महाराज वरिष्ठ नेता सेवक राम लालवानी योगीराज देवेंद्र मनोज घुसर विजय साहू विकास असवानी सनी मोटवानी मोहन राजपूत पप्पू सिसोदिया भूरा सिसोदिया आदि लोगों ने नंदेश्वर महाशिव देव का अभिषेक कर पूजा अर्चना कर महादेव से आशीर्वाद प्राप्त किया इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राधा राजपूत ने सभी लोगों के सहयोग पर आभार व्यक्त किया एवं वरिष्ठ समाजसेवी योगीराज भारत सिंह राजपूत सत्येंद्र द्विवेदी देवेंद्र ,सचिन त्रिवेदी कॉलोनी अध्यक्ष अंतर सिसोदिया तेजू सिसोदिया सनातनी परंपरा को आगे बढ़ते हुए शिवलिंग स्थापना के कार्य की सराहना करते हुए समिति सभी लोगों द्वारा निरंतर सहयोग के लिए आस्वस्थ किया गया

महाकुंभ से 48 दिन की सेवा देकर लौटे राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत उपाध्यक्ष सुरेंद्र कीर का स्वागत

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल का शिविर प्रयागराज महाकुंभ में 10 जनवरी से लेकर 27 फरवरी तक लगाया गया। प्रांत उपाध्यक्ष सुरेंद्र कीर ने बताया कि परिषद के संस्थापक डॉ प्रवीण तोगड़िया के नेतृत्व में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं को जगह-जगह स्टॉल लगाकर निशुल्क श्रद्धालुओं को भोजन वितरण किया एवं सर्दी से बचने के लिए लाखों लोगों को कंबल बैंक के माध्यम से निशुल्क कंबल उपलब्ध किए 467000 लोगों को निशुल्क रात्रि विश्राम की उत्तम व्यवस्था 8 एकड़ में बने शिविर में की 6 लाख लोगों का निशुल्क उपचार लगभग 80 डॉक्टर की टीम के माध्यम से किया गया और डॉक्टर प्रवीण तोगड़िया का लक्ष्य कि पूरे देश के अंदर कोई भी गरीब हिंदू भूखा नहीं सोएगा आने वाले समय में एक मुट्ठी अनाज के माध्यम से प्रत्येक शहर में निशुल्क भोजन व्यवस्था कराई जाएगी और मध्य प्रदेश में 70000 हनुमान चालीसा केंद्र चलाए जाएंगे स्वागत नगर की प्रथम नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल राष्ट्रीय बजरंग दल प्रांत अध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर प्रांत महामंत्री मूलचंद, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव नगर पालिका उपाध्यक्ष पुष्पा प्रेम शंकर साहू केके तिवारी, अमित तिवारी सुग्रीव लवंशी नारायण साहू सुरेश मेहरा कृष्णा राठौर के आर मीणा सुरेंद्र चौकसे इमरान धाकड़,श्रीकांत मीणा आकाश पाल, निर्भय वीरेंद, हेमराज साहू दिव्यांश आर्यन निलेश अहिरवार, दिनेश खूबचंद राठौर राकेश आशीष कीरएवं सैकड़ो की संख्या में समाजसेवी और संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कानूनी प्रावधानों से अवगत कराने आयोजित किया कार्यक्रम

भोपाल। अनमोल समाजसेवी संस्थान परियोजना साहस भोपाल,अलायंस इंडिया के सयोग से सिल्वर इन होटल में एडवोकेसी मीटिंग विद लॉ इंफोर्समेंट एजेंसीज का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें अध्यापक, एडवोकेट, ञ्रद्ध पार्टनर, जेएलयू कॉलेज के लॉ स्टूडेंट्स, बी एन बी चैनल डायरेक्टर कैमरामैन,संध्या प्रकाश, प्रदेश सत्ता ,3 पत्रकार, , नॉन-बाइनरी, ट्रांसवुमन, ट्रांसमैन और अनमोल समाजसेवी संस्थान का समस्त स्टाफ उपस्थित था। मीटिंग के दौरान, सेक्स, सेक्सुअलिटी और जेंडर से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वीडियो क्लिप्स दिखाई गईं और पीपीटी के माध्यम से एचआईवी/एड्स पर विस्तृत जानकारी दी गई। भारत सरकार द्वारा लागू किए गए एक्ट्स और रूल्स के बारे में संक्षेप में चर्चा की गई, ताकि सभी उपस्थित लोग इन महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों से अवगत हो सकें। इस मीटिंग का उद्देश्य विभिन्न समुदायों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच जागरूकता और सहयोग बढ़ाना था, ताकि समाज में समानता और समावेशिता सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति का अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया सम्मान

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष अब्दुल सलीम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष सैय्यद मुमताज़ अली राजा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष एम एस जाफरी ने भारतीय संस्कृती परम्परा का प्रतीक पगड़ी पहना कर सम्मान किया।

पत्रकारों ने स्व. देवेंद्र दुबे को किया याद, दी श्रद्धांजलि

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी के वरिष्ठ प्रेस फोटोग्राफर स्वर्गीय देवेंद्र दुबे को आज पत्रकारों व छायाकारों ने भावभीनी श्रृद्धांजलि दी। देवेंद्र दुबे का बीती 23 फरवरी को निधन हो गया था। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा के दौरान पत्रकारों और छायाकारों ने स्वर्गीय दुबे के परिजनों को विश्वास दिलाया कि वे हर स्थिति में मदद के लिए तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा कि स्वर्गीय देवेंद्र दुबे के दोनों बच्चों की शिक्षा की चिंता व जरूरी व्यवस्था की जाएगी। वरिष्ठ पत्रकार आशीष दुबे ने सुझाव दिया कि देवेंद्र दुबे की स्मृति में फोटोग्राफी पुरस्कार स्थापित किया जाए, जिसका सभी ने समर्थन किया। वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र पैगवार ने परिवार को आर्थिक सहायता उपल्ध कराने का आश्वासन दिया। सीनियर प्रेस फोटोग्राफर राजीव गुप्ता, अजय सोलंकी ने भी स्वर्गीय दुबे से जुड़ी स्मृतियां साझा की। जबकि नगर निगम के कोलार फायर स्टेशन इंचार्ज पंकज खरे ने रुंधे गले स्वर्गीय दुबे से अपने संबंधो व यादों का उल्लेख किया। इस मौके पर पत्रकार शिशुपाल सिंह तोमर, सुधीर निगम, राजेश राय, दिलीप सिंह भदौरिया, आलोक गुप्ता, ललित कटारिया, निर्मल व्यास, एनपी पटेल, रतनलाल बाथम, दया प्रसाद, आदेश प्रताप सिंह भदौरिया, महेंद्र दवे, सरल प्रताप सिंह भदौरिया, महेश विश्वकर्मा, अबरार अली, एचसी वर्मा, असरफ अली, शमीम खान, लक्ष्मण, राजीव सराठे, राजविंदर सिंह, एएन चौकसे, अजय शर्मा, राकेश सैनी, अनिल दीक्षित, रजनीश झाबक, प्रवीण दीक्षित, सुधीर वर्मा, इरफान अली, मोह. मसरूर खान, आरिफबेग, असगर खान, मुईन खान, पंकज भदौरिया, विपिन यादव, विवेक निमदेवकर उर्फ विक्की, उदय मौर्या समेत अन्य पत्रकार और प्रेस फोटोग्राफर उपस्थित रहे। भोपाल श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष जतिन मिढोरे ने सभा का संचालन किया।

श्रम संगठन की पहल में डॉ. विराट जायसवाल का विशेष योगदान

भोपाल। नवंबर 2023 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और संयुक्त राष्ट्र ने सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल, जिसे सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन कहा जाता है, की शुरुआत की है। इस अभियान में अब तक 90 देशों की सरकारों और 336 भागीदार संगठनों ने भाग लिया है। गर्व का विषय यह है कि भारत सरकार के अनुरोध पर नेशनल फ्रंट ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस ने इस प्रतिष्ठित गठबंधन में आधिकारिक रूप से अपनी भागीदारी दर्ज की है। गठबंधन के आयोजन के लिए दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम को चुना गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. हौंगबो स्विट्ज़रलैंड से भारत आए। समारोह में केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा, जिनेवा में भारत के राजदूत अरिंदम बागची, भारतीय उद्योग परिसंघ तथा विश्व के सबसे बड़े श्रमिक संगठन, भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने गरिमामयी उपस्थिति दी।इस वैश्विक गठबंधन का मुख्य उद्देश्य वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर नीतियों और कार्यान्वयन के समन्वय को बढ़ावा देना है।

समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान, 2 लाख से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

भोपाल। समाजवादी पाटी प्रदेश में 1 से 31 मार्च तक एक व्यापक सदस्यता अभियान चला रही है, जिसमें हर नागरिक को पार्टी से जुड़ने और सामाजिक न्याय, समानता व प्रगति की इस यात्रा का हिस्सा बनने का मौका दिया जा रहा है। इस सदस्यता अभियान के द्वारा 2 लाख से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, यह अभियान प्रदेशभर में समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने और जनता की आवाज़ को सत्ता के केंद्र तक पहुंचाने का एक सुनहरा अवसर है। अगर आप भी भ्रष्टाचार, महंगाई और अन्याय के खिलाफ लड़ना चाहते हैं और एक समतामूलक समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो आज ही समाजवादी पार्टी की सदस्यता में और बदलाव की इस मुहिम में शामिल हों। समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने यह जानकारी पत्रकारवार्ता में देते हुए बताया कि समाजवादी पार्टी, मध्य प्रदेश, ने हाल ही में रीवा संभाग के सीधी जिले में सफलतापूर्वक दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया, जिसमें पार्टी की विचारधारा, संगठन की मजबूती और जनसंपर्क को लेकर गहन चर्चा हुई। यह शिविर कार्यकर्ताओं को जागरुक और संगठित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी कड़ी में, अब प्रदेश के अन्य संभागों में भी ऐसे ही प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिससे समाजवादी आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। यदि आप भी समाजवाद की इस मुहिम का हिस्सा बनना चाहते हैं और बदलाव की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं, तो इन शिविरों में जरूर जुड़ें और एक सशक्त एवं न्यायसंगत समाज के निर्माण में सहयोग दें। तथा ऐसे ही शिविर मध्य प्रदेश के अन्य सभी संभागों में भी किए जाएंगे

सरकार ने कोरोना वैक्सीन को सफलतापूर्वक लागू करने का दावा तो किया, लेकिन क्या उसने इसके संभावित दुष्प्रभावों पर सही तरीके से शोध किया? हाल के महीनों में युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, लेकिन सरकार इन पर ठोस जवाब देने के बजाय चुप्पी साधे बैठी है। क्या यह सरकार की लापरवाही नहीं कि वैक्सीन के प्रभावों की समुचित निगरानी नहीं की गई? क्या लोगों की सेहत से जुड़ी गंभीर चिंताओं को दरकिनार कर सिर्फ राजनीतिक प्रचार किया गया? अगर सरकार ने पारदर्शिता रखी होती और वैज्ञानिक डेटा के आधार पर स्पष्ट जानकारी दी होती, तो आज देश में इस तरह के संदेह और डर की स्थिति न बनती।मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है, और इसका ताजा उदाहरण पूर्व परिवहन आरक्षक सौरव शर्मा के पास से करोड़ों रुपये के अवैध धन की बरामदगी है। यह साफ दिखाता है कि सरकार के संरक्षण में भ्रष्टाचार किस हद तक फैल चुका है। जब एक मामूली आरक्षक के पास इतनी बड़ी संपत्ति मिल सकती है, तो सोचिए ऊपर बैठे अधिकारियों और नेताओं के पास कितना काला धन होगा: सरकार ने ईमानदारी और पारदर्शिता के बड़े-बड़े दावे तो किए, लेकिन हकीकत में भ्रष्टाचारियों को खुली छूट दे रखी है।

कल का भारत खुलते उद्योग नवाचार और प्रतिभा पर हुआ व्याख्यान

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन ने राष्ट्रीय प्रबंध दिवस पर किया आयोजन

भोपाल। मैनेजमेंट एसोसिएशन ने राष्ट्रीय प्रबंध दिवस ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सभागार में आयोजित किया गया जिसमें इस वर्ष के बोध वाक्य काल का भारत खुलते उद्योग नवाचार और प्रतिभा पर डॉ राजीव अग्रवाल ने व्याख्यान दिया और कहा की कल का भारत सभी उपस्थित बच्चो के हाथ है अपनी प्रतिभा को नवाचार में लगाए। लक्ष्य बड़ा रखे समंदर की सोच रखे तो नदिया अपने आप मिलेंगी ऊंची उड़ान के लिए हल्का होना पड़ता है भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन स्टूडेंट चैप्टर इसकी बुनियाद है। इस अवसर पर नवाचार प्रतिभा पर सेज, जेएनसीटी ,आईईएस और ओरियंटल छात्रों की समूह चर्चा भी की गई जिसमे बीएमए अध्यक्ष सुनील भार्गव ओरिएंटल ग्रुप के चेयरमैन प्रवीण ठकराल और डॉ शिखा भार्गव ने छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुनील भार्गव ने स्टूडेंट चैप्टर का महत्व बताते हुवे कहा की आज प्रबंध मे अनुसंधान और प्रतिभा का महत्व है और स्टूडेंट चैप्टर उसकी प्रथम पाठशाला है इसमें सक्रिय भाग ले उन्होंने बीएमए की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी तिवारी एवम संयोजन डॉ शिखा भार्गव ने किया तथा सारगर्भित आभार प्रदर्शन आरजी दिवेदी ने किया कार्यक्रम में 300 छात्र छात्राएं एवं बीएमए सदस्य उपस्थित थे।

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस अब पेश करता है भारत में सबसे बड़े होम हेल्थ केयर नेटवर्क

भोपाल । भारत की सबसे बड़ी खुदरा स्वास्थ्य बीमा कंपनी, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हेल्थ इंश्योरेंस), भारत भर में 100 स्थानों पर अपनी एचएचसी पहल का विस्तार करके देश की सबसे बड़ी होम हेल्थ केयर (एचएचसी) प्रदाता बन गई है। जुलाई 2023 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम अब स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के 85त्न से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जो बिना किसी जेब खर्च के 3 घंटे के भीतर कैशलेस डोरस्टेप मेडिकल केयर प्रदान करता है। भारत में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच, उपलब्धता और सामर्थ्य में सुधार करता है। स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ आनंद रॉय ने कहा, स्टार हेल्थ में, हम मानते हैं कि स्वास्थ्य बीमा वित्तीय कवरेज प्रदान करने से कहीं आगे जाता है। यह हर व्यक्ति के लिए सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवा का एक पुल है। हमारा लक्ष्य अस्पताल में भर्ती होने की उच्च लागत, लॉजिस्टिक चुनौतियों और देखभाल की मांग से जुड़े तनाव जैसी बाधाओं को दूर करना है। ग्राहकों के करीब गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा लाकर हमारा लक्ष्य उनकी सुविधा और मन की शांति सुनिश्चित करना है। यह पहल स्वास्थ्य बीमा वितरण को बदलने पर हमारे फोकस का ठोस सबूत है, यह सुनिश्चित करके कि यह सुलभ, सस्ती है और हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों के हिसाब से डिजाइन की गई है। एचएचसी प्रोग्राम संक्रामक रोगों से ठीक होने वाले रोगियों को समय पर चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है। कार्यक्रम के तहत, एक साथी डॉक्टर रोगी के घर जाकर उनकी स्थिति का आकलन करता है, निदान करता है, और यदि लक्षणों के लिए अस्पताल में भर्ती होना अनावश्यक समझा जाता है, तो आवश्यक उपचार प्रदान करता है, साथ ही नियमित रूप से व्यक्तिगत रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करता है। यदि आवश्यक हो, तो गंभीरता के आधार पर, डॉक्टर अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दे सकता है, हालांकि 1 प्रतिशत से भी कम रोगियों को इस वृद्धि की आवश्यकता होती है।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

कई प्रतियोगिताएं हुई, विजेताओं को किया पुरस्कृत

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में महान वैज्ञानिक और नोबल पुरस्कार विजेता डॉ. सी. वी. रमन द्वारा खोजे गये रमन प्रभाव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का दो दिवसीय का आयोजन मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्यूनिकेशन नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। आयोजन में विभिन्न अंतरविद्यालयीन और अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यार्थीयों ने मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित वर्चुअल सम्मेलन में हिस्सा लिया जिसमें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों से विज्ञान के क्षेत्र में देश एवं प्रदेश की प्रगति को साझा किया और कहा कि विज्ञान और प्रौघोगिकी के विकास से ही देश की प्रगति संभव है और राज्य सरकार विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में अपने उदबोधन में प्राचार्य, डॉ. डालिमा पारवानी ने अपने विचारो को साझा करते हुए कहा कि इस अवसर का महत्व छात्रों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा को बढ़ावा देना हैं। जिससे विद्यार्थी विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रेरित हो सके। इस दो दिवसीय समारोह के पहले दिन एआई और रोबोटिक्स विषय पर प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित की गई। मॉडल प्रतियोगिता में अंतरविद्यालयीन वर्ग के विजेता चिराग मेहरा और सक्षम उदासी, दीपमाला संस्कार पब्लिक स्कूल से एवं अंतरमहाविद्यालयीन वर्ग की विजेता रिफत फातिमा, संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय से रही। एआई और रोबोटिक्स प्रदर्शनी में जिन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उनमें वैष्णव पौलिटैक्निक कॉलेज, इंदौर के गौरव, हर्ष पांडे और नवनिध स्कूल की छात्रा दीपिका लालवानी प्रमुख रहे। विजेताओं को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

बिजनेस प्लान में एसएचआईएम की छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार मिला

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट की छात्राओं ने जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल के द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी बिजनेस आइडिया पिचिंग कॉम्पटीशन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस बिजनेस प्लान कॉम्पटीशन में देश के विभिन्न प्रबंध संस्थानों से प्रतिभागी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने बिजनेस प्लान को प्रस्तुत किया। संस्थान की एम.बी.ए. इंटीग्रेटेड चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं नौरीन फातिमा रिज़वी, अनन्या टंडन, मनिष्का अग्रवाल एवं यशमिता मालवीय की टीम ने अपने बिजनेस प्लान आर्गेनिक प्लैटर को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया एवं निर्णायकों के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। इस बिजनेस प्लान में पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दी गई थी, जिसे सभी ने सराहा। विभिन्न मापदंडों में सफल होने पर इन छात्राओं को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसमें 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गए। छात्राओं की इस उपलब्धि पर संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर एवं सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं को बधाई दी।

गढ़ाकोटा में सांस्कृतिक रहस मेले और किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री बोले-

2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेहूं उपार्जित करेगी सरकार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर के गढ़ाकोटा में तीन दिवसीय सांस्कृतिक रहस मेले में आयोजित किसान महा सम्मेलन में कहा कि बुन्देलखण्ड वीरों की धरती है। वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के लिए बड़ी सौगात देते हुए कहा कि सरकार अब किसान भाईयों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदेगी। उन्होंने कहा कि सागर-दमोह रोड को फोरलेन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा सीमा पर जवान और खेत पर किसान को सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। किसान की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में बुंदेलखंड की लाखों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी जमीन बचाकर रखें, उन्हें उनकी जमीन का पूरा लाभ मिलेगा और उनकी कृषि समृद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के किये कार्यों का प्रभाव है कि काम के बल पर ही आज वो लगातार 9 बार से अपराजेय राजनेता बने हुए हैं। सरकार प्रदेश में बहनों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि जहाँ सरकार बहनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है, वहीं पूर्व मंत्री भार्गव के द्वारा 21 हजार से अधिक बेटियों की शादी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी तक मैंने 9 रस ही देखे थे आज मैंने 10वां रस भी देख लिया। इस रहस मेला के आनंद में जो 10वां रस मिला है वह अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार इस वर्ष किसान भाइयों का गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी और अगले वर्ष यह बढ़ाकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का मैं वादा करता हूं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार चावल पर 2000 रुपए प्रति हैक्टेयर बोनस दिया जाएगा। इसी प्रकार दूध का उत्पादन करने वालों को भी बोनस दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के सपने को प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं। इसमें केन-बेतबा लिंक परियोजना के माध्यम से बुंदेलखंड को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। इसी प्रकार महाराष्ट्र सरकार से मिलकर भी नदी जोड़ो अभियान प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने फूड इंडस्ट्रीज लगाने वालों को सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी देगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे अधिक युवाओं की आबादी वाला देश है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा संचालित लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जैसी सभी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने सागर के संपूर्ण विकास के लिये संकल्प लेते हुए कहा कि इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव किसानों के हित के लिए लगातार कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। किसान खुशहाल होगा तो देश और प्रदेश खुशहाल होगा। किसानों को योजनाओं का लाभ देने के लिए किसान मेला एवं कार्य-शालाओं का लगातार आयोजन किया जा रहा है। दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए लगातार नवाचार कर रही है। देश एवं विदेश के उद्योगपतियों को भोपाल-जीआईएस में आमंत्रित कर उद्योगों की नगरी बनाने के लिए बुंदेलखंड, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर में रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर क्षेत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

विधायक एवं पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा रहस मेला 220 वर्ष पुराना मेला है। वर्ष 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा ने कहा था इस मेले को और आगे बढ़ाएं। हमने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. पटवा को मेले का पूरा इतिहास बताया, तत्कालीन मुख्यमंत्री पटवा ने मेले को और समृद्ध बनाने के लिए निर्देशित किया था। विधायक एवं पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा कि विलुप्त हो रहे मेलों को आगे बढ़ाने का कार्य सरकार कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार ने रहस मेले को भव्य और दिव्य बनाने के लिए लगातार कार्य किया है।

संविदा कर्मचारियों को सरकार का बड़ा तोहफा, मैटरनिटी लीव सहित मिलेगी कई सुविधा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के संविदाकर्मियों के लिए अच्छी खबर है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने नई संविदा कर्मचारी नीति 2025 जारी कर दी है। इससे 32 हज़ार से अधिक संविदा कर्मचारी लाभान्वित होंगे। इसमें वेतन वृद्धि, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, सेवा सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की नवीन संविदा कर्मचारी नीति-2025 का निर्धारण संविदा कर्मचारियों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए किया गया है। इस नीति का लाभ 32 हज़ार संविदा कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा और उनके परिवारों सहित लगभग 1.5 लाख लोग इससे लाभान्वित होंगे।

संविदा नीति में वेतन वृद्धि, मातृत्व अवकाश समेत कई प्रावधान: एनएचएम की नवीन नीति में संविदा कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। अब कर्मचारियों को हर वर्ष अनुबंध के नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्ति का अधिकार केवल मिशन संचालक एनएचएम के पास होगा और यह केवल प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने के बाद ही किया जा सकेगा।

नवीन नीति में वेतन वृद्धि को भी एक सुव्यवस्थित ढांचे में लाया गया है। अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार पर नियमित वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को नियुक्ति के समय प्रसव के छह सप्ताह बाद (सातवें सप्ताह से) कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे वे मातृत्व के शुरुआती दिनों में समुचित देखभाल प्राप्त कर सकेंगी। मातृत्व अवकाश और पितृत्व अवकाश के प्रावधान भी संविदा कर्मचारियों के लिए लागू किए गए हैं।

अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया के प्रावधान: प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारु व्यवस्था के लिए संविदा कर्मचारियों को अंतर-जिला स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई है। जिला स्वास्थ्य समिति को जिले में स्थानांतरण का अधिकार दिया गया है। कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक स्पष्ट शिकायत निवारण अनुक्रम निर्धारित किया गया है। आकस्मिक परिस्थितियों में परिवार को सहायता प्रदान करने के लिए अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया सहायता राशि के प्रावधान किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार विशेष अवकाश की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों को प्रदान की जाएगी। यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच चल रही हो, तो उसे 50त्न वेतन प्रदान किया जाएगा। स्थानांतरण प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन ट्रांसफर मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। वेतन असमानता की समस्या को दूर करते हुए सभी संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन समानता सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़तूमा सागर में निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सागर में संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य में लगे शिल्पियों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत रविदास मंदिर के मॉडल का अवलोकन कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संत रविदास मंदिर निर्माण पर आधारित चलचित्र (वीडियो प्रदर्शनी) को देखा।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को परिष्कृत करने, सहेजने और सामाजिक समरसता में संतों की भूमिका से लोगों को परिचित कराने वाली प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से आज संत रविदास मंदिर विशाल आकार में मूर्तरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य मंदिर और संग्रहालय आस्था के साथ-साथ देश-दुनिया के लोगों को भारत की महान संत परम्परा की विचारधारा और संत?शिरोमणि रविदास जी के जीवन से परिचित कराने वाला अद्भुत केंद्र बनेगा। मध्यप्रदेश के प्राचीन महत्वपूर्ण शहर सागर में संत रविदास के जीवन मूल्य व विरासत को मंदिर संग्रहालय के माध्यम से देश-दुनिया में उजागर करने का प्रयास किया जा रहा है। संत रविदास के ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से लोगों को परिचित कराना मंदिर संग्रहालय का केंद्र बिंदु बनेगा। बगैर आयरन के तैयार किये जा रहे 66 फ़ीट ऊंचे संत रविदास मंदिर का लाल पत्थर से नागर शैली में निर्माण किया जा रहा है। मंदिर के गर्भगृह, अंतराल मंडप और अर्धमंडप का रोड से 5 फ़ीट ऊँचा फाउंडेशन बनने के बाद नक्कासीदार पत्थरों के 72 पिलर लगाए गये हैं। इन पिलरों पर मंदिर का ऊपरी ढांचा खड़ा किया जायेगा। मंदिर के आसपास चार गैलरियों का निर्माण किया जा रहा है जहाँ संत रविदास के जीवन को विस्तृत और आधुनिक संसाधनों की मदद से प्रस्तुत किया जायेगा। पुस्तकालय में संत रविदास की आध्यात्मिक व धार्मिक पुस्तकों को संग्रहित किया जायेगा।

क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासनः चौकसे

भोपाल। वार्ड 62 के पार्षद राजेश चौकसे ने कहा कि आज बड़ा सौभाग्य का दिन है मेरे वार्ड 62 में टीआईटी कॉलेज में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पूर्व मंत्री विधायक अजय विश्नोई उपस्थित रहे। मेरे द्वारा क्षेत्र के विकास और भोपाल के विकास के लिये प्रस्ताव दिया जिसे मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर अश्वासन दिया। प्लेसमेंट डे कार्यक्रम में पधारे आज मेरे वार्ड में आप सभी का हार्दिक आभार अभिनंदन करता हूँ।

2383 हायर सेकंडरी स्कूलों में इस वर्ष शुरू की गई व्यावसायिक शिक्षा

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन के लिये इस वर्ष 3 लाख विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दिलाई गई है। इस शैक्षणिक सत्र में प्रदेश के 2383 हायर सेकंडरी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ की गई है। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों को सुलभता से रोजगार उपलब्ध कराने के लिये व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि तेजी से बढ़ती हुई विश्व की अर्थव्यवस्था में हम सभी का किस प्रकार से योगदान हो। बढ़ती हुई आबादी के साथ जनता के लिये उनकी शिक्षा, कौशल तथा आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार का सृजन एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसी चुनौती का सामना करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में विद्यार्थियों को उनकी रूचि के अनुसार वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए व्यावसायिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गई है। इसके लिये स्कूलों में नये ट्रेडों की शुरूआत की गई है। इसके लिये प्रशिक्षकों की सेवा भी ली जा रही है। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये इस वर्ष 40 हजार से अधिक शिक्षकों को विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिलाया गया है। प्रशिक्षण की व्यवस्था में प्रारंभिक तौर पर मास्टर ट्रेनर्स भी तैयार किये गये हैं।

सरकारी स्कूलों में कक्षा 5वीं से 6वीं, कक्षा 8वीं से 9वीं और कक्षा 10वीं से 11वीं में प्रवेश के समय अनेक विद्यार्थी स्कूल बदलते हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था के उत्कृष्ट संचालन के लिए पूर्व डीजीपी सक्सेना सम्मानित

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 के दौरान मध्यप्रदेश में सुचारू और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। इसे संपन्न कराने में पूर्व पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना और आईजी, स्टेट पुलिस नोडल अधिकारी (कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा) अंशुमान सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। महत्वपूर्ण भूमिका के निर्वहन के लिए पूर्व डीजीपी सक्सेना और आईजी सिंह को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रशंसा-पत्र को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह द्वारा दोनों अधिकारियों को प्रदान किया गया। मुख्य निवार्चन पदाधिकारी सुखवीर सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 में पूर्व पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना एवं पुलिस महानिरीक्षक, स्टेट पुलिस नोडल अधिकारी (कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा) अंशुमान सिंह की कुशल नेतृत्व क्षमता और प्रभावी कार्यशैली से प्रदेश में स्वतंत्र, निर्बाध, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई थी। कानून व्यवस्था का प्रभावी ढंग से संचालन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दोनों पुलिस अधिकारियों को प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया है। इस दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे उपस्थित रहे।

मध्य क्षेत्र में अब तक 6 लाख 73 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

भोपाल। राज्य की लाभकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। केवायसी प्रक्रि या में अब तक 06 लाख 73 हजार 534 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है। कंपनी ने बताया है कि नर्मदापुरम ग्रामीण क्षेत्र में 71 हजार 940, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 012, राजगढ़ ग्रामीण में 51 हजार 223, शहर वृत्त भोपाल में 61 हजार 271, भोपाल ग्रामीण में 38 हजार 656, गुना ग्रामीण में 32 हजार 353, विदिशा ग्रामीण में 49 हजार 230, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 130, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 086, शहर वृत्त ग्वालियर में 46 हजार 642, अशोकनगर ग्रामीण में 25 हजार 737, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 233, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 009, शिवपुरी ग्रामीण में 25 हजार 791, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 964, श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 652, मुरैना ग्रामीण में 23 हजार 730 एवं भिण्ड ग्रामीण में 10 हजार 875 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है।

लैंक्सेस ने इंडिया ऐप्लीकेशन डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन किया

मुंबई। जर्मन स्पेशियल्टी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस ने आज मुंबई के ठाणे में अपने इंडिया ऐप्लीकेशन डेवलपमेंट सेंटर (आईएडीसी) का उद्घाटन किया है। कंपनी ने नवाचार एवं ग्राहक सेवा के मामले में अपनी क्षमताओं को मजबूत किया है। लैंक्सेस हाउस का एक पूरा फ्लोर इस सेंटर को मिला है और यह दो व्यवसाय इकाइयों के लिये एक हब का काम करेगा। भविष्य में इसका विस्तार भी किया जा सकेगा। उद्घाटन समारोह में लैंक्सेस एजी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन मथायस झकर्ट ने कहा, ''लैंक्सेस के लिए भारत तरक्की का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ सहयोग एवं नवाचार के लिए अपार संभावनाएं हैं। नया एप्लीकेशन डेवलपमेंट सेंटर हमारे स्थानीय ग्राहकों की जरूरतों के लिए विशेष रूप से तैयार समाधानों की आपूर्ति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। इससे होने वाली वृद्धि स्वाभाविक और नवाचार के आधार पर होगी। मैं इस बात से भी उत्साहित हूं कि भारत के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि एक कंपनी के तौर पर हमारी 20वीं सालगिरह पर हासिल हो रही है। यह दोहरे जश्न का मौका है।'' आईएडीसी दिखाता है कि लैंक्सेस भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार एवं नवाचार के केन्द्र के तौर पर रणनीतिक नजर से देखती है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त करना: प्रो. पूर्णिमा खरे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल ऑफ नैनोटेक्नॉलॉजी और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर पूर्णिमा स्वरूप खरे ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का उद्देश्य विकसित भारत के लिए युवाओं को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में सशक्त करना है।

भारत एक युवा राष्ट्र है जिसकी करीब 30 प्रतिशत आबादी युवा है। वहीं हमारे देश कि सम्रद्ध ससंस्करतिक, आध्यातमिक एवं वैज्ञानिक धरोहर है। हमारे वेद, पुराण, उपदिशद आदि वैज्ञानिक रूप से प्रखर और विकसित थे जो वर्तमान वैज्ञानिक सैद्धांतों से आज भी प्रासंगिक हैं। इसका सबसे महत्त्वपूर्ण उदाहरण है। हमारे वैदिक अवधारणाओं में इस फार्मूला के अवयवों को वैदिक अवधारणाओं मे क्रमशः प्राण, आकाश एवं कल्पा के रूप में वर्णित किया गया है। वेदों के अनुसार सम्पूर्ण ब्रम्हांड को इन तीन प्राण, आकाश एवं कल्पा मूल तत्वों से बना माना गया है। उन्होंने कहा कि मॉडर्न साइंस को बहुत ही महायत्वपूर्ण और पूरी प्राक्रतिक संरचना का मूलाधार माना गया है। इस फार्मूला को सन 1905 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने स्थापित किया था जबकि हमारे वेदों में प्राचीन काल से इसका वर्णन है। जो ये दर्शाता है कि वैज्ञानिक विकास में प्राचीन काल में दुनिया से आगे रहे हैं। भारत अपनी इस सम्रद्ध विरासत को आधार बना कर अपनी प्रतिभा शाली युवा पीढ़ी को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में विकसित भारत के लिए सशक्त करना चाहता है। उन्हे अच्छी शिक्षा और कॉशल विकास के माध्यम से आने वाले विज्ञान और प्रौद्योगिक युग में देश को विकसित राष्ट्रों कि श्रेणी में लाने के लिए नई शिक्षा नीति द्वारा तैयार कर रही है। इस अवसर पर प्रोफेसर अर्चना तिवारी, कंप्यूटर विभाग के हेड डॉ. मनीष अहिरवार, प्रोफेसर उदय चौरसिया एवं विश्विद्यालय के छात्र छात्रों द्वारा सहभागिता की। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. गगन कांत त्रिपाठी, प्रोफेसर प्रियवंद बुंदेला और प्रोफेसर प्रदीप खिरिया ने किया।

समाचार पत्र दैनिक सांध्यप्रकाश भोपाल के स्वामित्व तथा अन्य विषयों से संबंधित विवरण घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिये)

1.	प्रकाशन स्थान	: भोपाल
2.	प्रकाशन अवधि	: सांध्य दैनिक
3.	मुद्रक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
4..	प्रकाशक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
5.	संपादक का नाम	: भरत एस. पटेल
	नागरिकता	: भारतीय
	पता	: 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों	: भरत एस. पटेल : 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल

मैं, एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

दिनांक- 1 मार्च 2025

भरत पटेल
प्रकाशक के हस्ताक्षर

विज्ञान शून्यता के खोटे सिक्के

यहां असलियत के सिक्के खोटे निकले, हमने सिर्फ अपनी हैसियत में उछाले थे। प्रदेश के 66 सीनियर सेकेंडरी स्कूल विज्ञान की प्रयोगशाला में शून्य निकले, क्योंकि हमें साइंस का तमगा दिखाना था। आश्चर्य यह कि हिमाचल में तमगों के लिए विकास और तमगों के इतिहास में बजट का सत्यानाश होता है। ये 66 विज्ञान केंद्र यूं ही बंद नहीं हुए, बल्कि इन्हें हमारी आवश्यकता, हमारे ज्ञान, हमारे सरोकार और हमारे अहंकार ने नकारा है। यही विज्ञान केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में हार रहा है और आइंदा और हारेगा। शिक्षा के यही पहलू बदतमीज व सियासत के खुदगर्ज हैं, जो फुटबॉल की तरह इंस्टीच्यूट-इंस्टीच्यूट खेलते हैं। अब तो मेडिकल कालेज हारने लगे और संदेह है तो पूछिए क्यों मेडिकल यूनिवर्सिटी के पंख आहत हैं? क्यों तकनीकी विश्वविद्यालय की आफत में तमाम इंजीनियरिंग कालेज बर्बाद हो चुके हैं, क्यों बीएड कालेज शिक्षा को बेसहारा कर चुके हैं। ये तख्तियां एक दिन ताबूत बनेंगी, कब तक तमन्ना को नकली पोशाक में जिंदा रखोगे। बेशर्मी के मुकाबले में अगले दस साल बाद हो सके तो पूछना कि केंद्रीय विश्वविद्यालय को धर्मशाला से बेदखल करने वालों ने शिक्षा के मकबरे क्यों चिने थे। हम 66 स्कूलों में विज्ञान के मकबरे और योजना के ताबूत ही नहीं देखते, बल्कि वहां ज्ञान और अध्ययन की समाधियां भी चुन सकते हैं। हैरानी यह कि इन्हीं स्कूलों में विज्ञान अध्ययन के कक्ष में 201 लेक्चरर आराम फरमाते पकड़े गए। तारीफ किसकी करें और विभाग की अमानत में किसे चुनें। जैसे-जैसे स्कूल बंद हो रहे हैं, इनके कारणों के बजाय आज भी समाज इन्हें बचाने का तर्क खोज रहा है। सियासत के खंभों से मुनादी यह कि निरर्थक स्कूल भी परिवेश की अमानत हैं। यह युद्ध आसान नहीं और सबसे मुश्किल होता है अपने ही आचरण को अनुशासित रखना। अगर 66 विज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल निकम्मे साबित हो सकते हैं, तो इसका यह अर्थ नहीं कि पढ़ाई का कोई कसूर था। यहां हमारे संकल्प और मॉडल की हार हुई है।

यहां अभिभावकों की ख्वाहिश और रोजगार के बाजार की फरमाइश भी हारी है। स्कूलों में एक विषय रोजगार की जानकारी, परिवेश की समझ, ग्रामीण आर्थिकी की संभावना और नई संभावनाओं के स्वरोजगार पर केंद्रित होना चाहिए। हमारे स्कूल इतने पारंगत नहीं कि भाषा ज्ञान को व्यावहारिक जीवन के मूल्यों से जोड़ दें। रिटेल मार्केटिंग में रोजगार की संभावनाओं पर ही बच्चों को जमा दो तक निपुण बनाने का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए तो स्कूलिंग से ही दिशा तय होगी। हमारे बच्चों को पिछले कुछ दशकों से विज्ञान की कक्षा में बैठाया तो जा रहा है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिया तैयार नहीं हुआ। आगे चलकर कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों में भी वैज्ञानिक नजरिए के बजाय विभागीय नौकरी के चस्का तैयार किया गया। यही वजह है कि हिमाचल स्टार्ट अप और नवाचार के युग में एक मूक दर्शक राज्य है। आज भी हमारी समस्याओं या खुशहाली का पैमाना वैज्ञानिक जीवटता के बजाय सरकारी नौकरी से जुड़ता है। अभी हाल ही में बिलासपुर के हरिमन शर्मा को बागबानी क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया, लेकिन यह उनकी निजी सफलता है। न कोई स्कूल, न कोई कालेज और न ही पालमपुर-सोलन विश्वविद्यालय में यह योग्यता रही या आइंदा होगी कि किसी हरिमन शर्मा को पैदा कर दें। दूसरी ओर भारत की सरकारी सेवाओं में नौकरी के अनेक अवसरों का साइंस से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं, इसलिए हमें अव्वल दर्जे के ऐसे सीनियर सेकेंडरी स्कूल चाहिएं जो इतिहास, भूगोल, इक्नोमिक्स, समाजशास्त्र, फाइन आर्ट्स, थियेटर व इससे मिलते जुलते आर्ट्स के विषय पढ़ा सकें। बच्चे अब डाक्टरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई से ऊब चुके हैं, तो उन्हें स्कूली शिक्षा की अनौपचारिक पृष्ठभूमि में खिलने का मौका मिलना चाहिए यानी बच्चों को लाजिमी तौर पर गीत-संगीत, रंगमंच व खेलों में कुछ समय गुजारने की सुविधा प्रदान हो। बहरहाल सुक्खू सरकार पिछली तमाम सरकारों के रस्ते व ढर्रे साफ करती हुई दिखाई दे रही है। ऐसी मुहिम को जनता का सहयोग व सामाजिक चेतना का समर्थन चाहिए। हिमाचल की खुशफहमियों ने हमें बेहद कमजोर और बजटीय प्रारूप में असमर्थ बना दिया है।

वैक्सीनों के निशाने पर कैंसर

राकेश दुबे

रूस ने घोषणा की है कि उसने कैंसर की रोकथाम के लिए एक नई एमआरएनए-आधारित वैक्सीन विकसित की है जो जल्द ही रोगियों को मुफ्त उपलब्ध करायी जायेगी। गमालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग के मुतसबिक, इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स से मालूम हुआ है कि यह रसौली को बढ़ने से रोकती है और उसके आशंकित रूप-परिवर्तन को भी। एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए वैक्सीन वह जेनेटिक सूचना उपलब्ध कराती है, जो शरीर की कोशिकाओं को एंटीजन (प्रोटीन या अन्य पदार्थ जो प्रतिरोधात्मक प्रतिक्रिया आरंभ करता है) उत्पादन करना सिखाती है। जब यह एंटीजन कैंसर कोशिकाओं पर पहचान लिए जाते हैं तो इम्यून सिस्टम उनके खिलाफ हमला शुरू कर देता है।

प्रश्न यह है कि यह वैक्सीन किस तरह से काम करती है? दरअसल, एमआरएनए कैंसर वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है। कैंसर कोशिकाएं अक्सर ऐसा तरीका विकसित कर लेती हैं कि वह पहचान में आने से बच जायें फलस्वरूप प्रतिरोधात्मक क्षमता उन्हें नष्ट नहीं कर पाती। इस बचाव के तरीके को अब समझ लिया गया है और इम्यूनोथेरेपी का विचार यह है कि शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को इस प्रकार मज़बूत कर दिया जाये कि वह कैंसर कोशिकाओं को तलाश करके उन्हें नष्ट कर दे तथा फैलने से रोके। इस उपचार में कीमोथेरेपी के विपरीत केवल कैंसर कोशिकाओं को ही नष्ट किया जाता है, नतीजतन साइड-इफेक्ट्स कम हो जाते हैं।

वैक्सीन के अतिरिक्त भी इम्यूनोथेरेपी के अन्य अनेक तरीके हैं जैसे कार टी सेल थेरेपी, इम्यून चेकपॉइंट इन्हिबिटर्स आदि। अन्य वैक्सीनों की तरह एमआरएनए कैंसर वैक्सीन रोग को रोकने के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए नहीं है कि टीकाकरण करा लिया और रोग होगा ही नहीं। इन्हें उन रोगियों पर इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें पहले से ही कैंसर है ताकि रसौली को निशाना बनाकर उसका उपचार किया जा सके। यह उपचार विधि इस तरह से तैयार की गई है कि हर रोगी की रसौली में जो विशिष्ट एंटीजन होते हैं, उन्हें निशाना बनाया जाये, जिससे यह वैक्सीन व्यक्तिगत हो जाती है और अधिक प्रभावी भी। कैंसर एमआरएनए वैक्सीन को इस तरह से भी डिज़ाइन किया जा सकता है कि अनेक प्रकार के एंटीजन को निशाना बनाया जा सके।

कैंसर की वैक्सीन का शोध केवल रूस में ही नहीं हुआ है। पिछले साल इंग्लैंड की नेशनल हेल्थ सर्विस ने कैंसर वैक्सीन लांच पैड स्थापित किया, जो एक ट्रायल कार्यक्रम है ताकि एमआरएनए व्यक्तिगत कैंसर वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल्स में उन लोगों के लिए तेज़ी लायी जा सके, जिनको कैंसर होने की पुष्टि हो चुकी है और साथ ही कैंसर का उपचार करने के लिए कैंसर वैक्सीन के विकास को गति प्रदान की जा सके। अमेरिका में ग्लोबल बायोफर्मास्यूटिकल कंपनी क्योरवैक़ ने पिछले सितम्बर में घोषणा की कि सीवीजीबीएम कैंसर वैक्सीन ने ग्लिओबलस्टोमा (ब्रेन कैंसर) रोगियों पर पहले चरण के अध्ययन में उत्सावर्धक प्रतिरोधात्मक (इम्यून) प्रतिक्रियाएं प्रदर्शित की हैं। वर्तमान में कैंसर वैक्सीन को लेकर संसार के विभिन्न हिस्सों में 120 से अधिक क्लिनिकल ट्रायल्स चल रहे हैं। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि कैंसर की रोकथाम के लिए 'वैक्सीन' शब्द का प्रयोग भ्रामक है।

जहां तक कैंसर के रोकथाम की बात है तो ह्यूमन पपीलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन से सर्वाइकल कैंसर को होने से रोका जा सकता है; क्योंकि इस सिलसिले में 90 प्रतिशत से अधिक केस इस वायरस के कारण होते हैं। इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस बी वैक्सीन जो हेपेटाइटिस बी वायरल संक्रमण को रोकने के लिए दी जाती है, उसकी भी जिगर के कैंसर को रोकने में सुरक्षात्मक भूमिका हो सकती है। डॉक्टर इस बात पर बल देते हैं, 'इम्यूनोथेरेपी उपचार से कैंसर को होने से नहीं रोका जा सकता। यह रोग होने के बाद का इलाज है।'

कोई भी नई ड्रग क्लिनिकल ट्रायल्स के अनेक चरणों से गुज़रती है। इस प्रक्रिया में सालों लग जाते हैं। जब तक यह सब डाटा सार्वजनिक तौरपर उपलब्ध नहीं होता है, तब तक यह कहना कठिन है कि रूस की उपचार विधि किस स्तर पर है और वह कितनी सुरक्षित व प्रभावी है।

छावा का कुछ अलग ही जलवा दिखा, दर्शकों पर छा गए विक्की कौशल

हेमंत पाल

विक्की कौशल जब से फिल्म इंडस्ट्री में आए, उनमें एक बहुमुखी और संभावनाशील कलाकार की झलक देखी गई। ऐसा बहुत कम कलाकारों के साथ हुआ। बीते कुछ सालों में उन्होंने जितनी भी फ़िल्में की, वे अलग-अलग जॉनर की रही। वे टाइप्ड नहीं हुए। उन्होंने युद्ध आधारित फिल्म 'उरी' में जो किया वह 'सैम बहादुर' में कहीं दिखाई नहीं दिया। अब उसकी कोई झलक उनकी नई फिल्म 'छावा' में दिखाई नहीं देती। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज की जीवनी वाली ये फिल्म हर दर्शक के दिल को छू रही है। फिल्म में विक्की कौशल ने संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय से किरदार में जान डाल दी। यही वजह है कि इसे उनके करियर की शानदार फिल्मों में बताया जा रहा। विक्की की इस फिल्म को लेकर दर्शकों का क्रेज कम नहीं हो रहा। महाराष्ट्र में तो यह फिल्म शानदार कमाई कर ही रही है। फिल्म देखने के बाद लोगों के रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे। कुछ लोग फिल्म देखने के बाद रो रहे हैं तो कुछ लोगों के रोंगटे खड़े हो गए।

फिल्म की कहानी दिखाती है कि मुगलों के वर्चस्व को खत्म करने के लिए उनके प्रयास कितने कठिन थे। यह इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे अनदेखा किया जाता रहा। विक्की कौशल ने इस विरासत के साथ पूरा न्याय किया है। क्योंकि, जब उनका किरदार विश्वासघात और हार का सामना करता है, वे पल दिल की धड़कन तेज करने वाले हैं। फिल्म में लड़ाई को इतना वास्तविक रूप दिया गया कि दर्शकों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह इतिहास का ऐसा योद्धा है, जिसकी बहादुरी ने एक युग को फिर से परिभाषित किया। कौशल ने सिर्फ एक किरदार ही नहीं निभाया, वे एक राष्ट्र की ताकत और संकल्प का प्रतीक बन गए हैं। विक्की कौशल का अभिनय किसी बिजली की तरह कौंधने वाला है। संभाजी महाराज के किरदार में उनका अभिनय दमदार और बहुआयामी दिखाई दिया। एक ऐसा सेनापति जिसकी मौजूदगी पूरी फिल्म में महसूस की जा सकती है। विक्की कौशल ने 24 साल के योद्धा की भावना को बहादुरी के साथ जीवंत किया। उन्होंने उस युवा का किरदार निभाया, जिसने अकेले ने मुगल साम्राज्य घुटनों पर ला दिया था। भारतीय इतिहास के गुमनाम नायक के रूप में देखे जाने वाले संभाजी का चित्रण बेहतरीन तरीके से किया गया है।

न सिर्फ अभिनय बल्कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में भी 'छावा' ने इस साल रिलीज हुई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। इस साल के शुरूआती डेढ़ महीने में अक्षय कुमार की 'स्काई फ़ोर्स' ने ही ठीक-ठाक कमाई कमाई की थी, पर 'छावा' ने उसे काफी पीछे छोड़ दिया। इस साल विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने की लगता है पूरी तैयारी कर ली। 'छावा' को सिर्फ अपने देश में ही नहीं, दुनियाभर में पसंद किया जा रहा। फिल्म ने रिलीज के शुरुआती 2 दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। दो सप्ताह में ये फिल्म 500 करोड़ के क्लब में एंट्री कर गई। आश्चर्य नहीं कि विक्की की ये फिल्म इस साल रिकॉर्ड तोड़ कमाई करने वाली पहली फिल्म बन जाए। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई पर नजर रखने वाली एक एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक 'छावा' ने भारत में चार दिन में ही 168.60 ग्रॉस कलेक्शन किया। 'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रखा है। संभाजी महाराज के किरदार में विक्की ने जान फूंक दी है।

इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा, इससे पहले भी भारतीय लीजेंड्स पर कई फिल्में बनी, जिन्हें देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हुए। 'छावा' ने दर्शकों को मराठा इतिहास के बारे में बताया तो 'तानाजी द अनसंग वॉरियर' एकदम सही फॉलोअप है। फिल्म में अजय देवगन ने बहादुर सेनापति तानाजी मालुसरे का किरदार निभाया, जिन्होंने मुगलों से कोंढाणा किले को वापस हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। संजय लीला भंसाली की 'बाजीराव मस्तानी' भी पेशवा बाजीराव (रणवीर सिंह) और मस्तानी (दीपिका पादुकोण) के रोमांस आधारित फिल्म है। 18वीं सदी के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म भव्य युद्ध दृश्य, विशाल सेट उस समय काल का जीवंत अनुभव कराते है। बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई का प्रियंका चोपड़ा का किरदार प्यार, वफादारी और बलिदान का प्रतीक है।

अजय देवगन की फिल्म 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' भारत के सबसे ज्यादा सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों में से एक फिल्म है। यह फिल्म भगत सिंह के क्रांतिकारी आदर्शों, ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई और भारत की स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दर्शाती है। शाहरुख़ खान ने फिल्म 'अशोका' में सम्राट अशोक की भूमिका निभाई। यह फिल्म अशोक के एक भयंकर योद्धा से एक दयालु शासक बनने के सफर पर आधारित है। ऐसी ही एक फिल्म 'मंगल पांडे' है, जिसमें आमिर खान ने मुख्य भूमिका निभाई। सिपाही मंगल पांडे ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ 1857 में भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम को हवा दी थी।

संजय लीला भंसाली की दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह और शाहिद कपूर स्टारर फिल्म 'पद्मावत' इतिहास पर आधारित फिल्मों के मामले में एक मील का पत्थर मानी जाती है। इस फिल्म की कुल कमाई 300 करोड़ से ज्यादा थी। 'पद्मावत' ने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर 114 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके मुकाबले 'छावा' पहले वीकेंड में 121 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। इसमें भी एक दिलचस्प तथ्य यह है कि 'पद्मावत' गुरुवार को रिलीज हुई थी और इसे वीकेंड कलेक्शन में 4 दिन मिले। जबकि, 'छावा' की 121 करोड़ की कमाई सिर्फ 3 दिन की है। 'छावा' ने बीते रविवार को 49 करोड़ का कारोबार किया, जो इस साल एक दिन में बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ा कलेक्शन है। अब विक्की कौशल की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर और भी बड़े लैंडमार्क को पार करने की तैयारी में है। अभी तक इस साल रिलीज हुई फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई अक्षय कुमार स्टार की 'स्काई फोर्स' ने की। उसने बॉक्स ऑफिस पर 130 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। इसका वीकेंड कलेक्शन 73 करोड़ था। जबकि, 'छावा' के पहले 3 दिन का कलेक्शन 'स्काई फोर्स' के वीकेंड कलेक्शन से तो बहुत ज्यादा रहा।

चारों तरफ तरफ विक्की कौशल की 'छावा' का डंका बज रहा। जो भी दर्शक 'छावा' देखकर थिएटर से निकल रहा, वह विक्की कौशल की तारीफ करते हुए नहीं थकता। इनमें कई दर्शक फिल्म देखकर इतने भावुक हो गए कि संभाजी महाराज के जयकारे लगाने लगे। एक खास बात यह भी कि फिल्म में सभी एक्शन सीन विक्की कौशल ने खुद किए हैं। अभी तक यह अक्षय कुमार के बारे में चर्चित था कि कई मुश्किल एक्शन सीन उन्होंने खुद किए ! अब विक्की ने भी इस फिल्म में वही किया। फिल्म के एक्शन डायरेक्टर परवेज शेख के मुताबिक विक्की कौशल ने कहा था कि सारे एक्शन सीन्स के लिए बॉडी डबल का इस्तेमाल न किया जाए। इनमें एक बेहद मुश्किल सीन वो था जब औरंगजेब, संभाजी महाराज को जंजीरों में बांध लेता है।

इस सीन में विक्की कौशल के हाथ-पैर बंधे और वे खून में लथपथ नजर आए। परवेज के मुताबिक, उस सीन की शूटिंग में विक्की को जंजीरों से बांध दिया गया था और उन्हें 2-3 घंटों तक जंजीरों में जकड़ कर खड़े रहना पड़ा। वो शॉट दिन के साथ-साथ रात में भी फिल्माए गए थे। उनकी मसल्स या किसी चीज में खिंचाव भी आ गया था। इस वजह से शूटिंग रोकनी पड़ी, इससे कुछ देरी हुई। लेकिन, फिजियोथेरेपी कराने के बाद विक्की ने फिर शूटिंग की। जो शूट किया गया था, वह बहुत मुश्किल था। विक्की कौशल मशहूर एक्शन डायरेक्टर श्याम कौशल के बेटे हैं। इसलिए एक्शन की बारीकियां तो उन्हें विरासत में ही मिली होंगी। यह पहली बार है, जब विक्की कौशल ने मुश्किल एक्शन सीन किए।

शून्य भेदभाव दिवस- 1 मार्च, 2025

शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बने

ललित गर्ग

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ़ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है 'हम एक साथ खड़े हैं।' इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कीसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अक्सर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर ÷प्लेग÷ से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। ÷करो या मरो÷ का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज़ उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ़ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरुआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ़ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सामाजिक संरचनाओं में पूर्वाग्रह एक बड़ी बाधा हैं, क्योंकि भेदभावपूर्ण प्रथाएँ संस्थाओं में जड़ जमा लेती हैं, जिससे असमानता बनी रहती है। गहरे विश्वासों और सांस्कृतिक मानदंडों में निहित परिवर्तन का प्रतिरोध भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण को खत्म करने के प्रयासों को जटिल बनाता है। इंसान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए संसार बाँट दिया। उसने स्वयं को सर्वोपरि समझते हुए सारी धरती पर अपना अधिकार करना चाहा। उसने समुद्र से ज़मीन छीनी, जंगलों का सफाया किया और पशु-पक्षियों को बेघर किया। मानव और मानव के बीच में जो भेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए शून्य भेदभाव दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

शिवधाम परियोजना की आस्था

साझे सपनों की इबारत को जिंदा रखेंगे, तो हिमाचल का फर्ज, हिमाचल का कर्ज उतारेगा। जाहिर तौर पर मंडी शिवरात्रि महोत्सव में सरकार को सपनों का पुण्य कमाते भी देखा। यह पुण्य देवताओं का नजराना बढ़ाते हुए परंपराओं के संरक्षण की आरती उतारता है, तो शिवधाम जैसी महत्त्वाकांक्षी परियोजना का फर्ज भी उतारती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से जिस पल का इंतजार मंडी की जनता कर रही थी, उसके मायनों को शिवरात्रि ने गहना बनाया। अंततः शिवधाम निर्माण के किवाड़ खोलने के लिए सौ करोड़ की राशि का तिलक लगाया जा रहा है। यह परियोजना जाहिर तौर पर एक सपना था, भले ही इसे तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ने मंडी की जनता के साथ साझा किया था। ये परियोजनाएं किसी न किसी दौर की गवाह रहेंगी, लेकिन सरकारें अगर निरतंरता से आगे बढ़ती हैं, तो राज्य के संकल्प पूरे होंगे। सियासी वैमनस्य का कोई खिताब नहीं होता, लेकिन राज्य की सूरत में हर बदलाव एक पुरस्कार है। बेशक शिवधाम जैसी परियोजना में सुक्खू सरकार की आहुति पुण्य कमा रही है, लेकिन एक विवेचन यह भी होना चाहिए कि क्यों पिछली सरकारें सत्ता बदलते ही पूर्व की परियोजनाओं और योजनाओं की हजामत करने में जुटी रहीं। सत्ता की रोशनी में एक जगह में स्थापित कार्यालय दूसरे स्थान पर बदल दिए जाते हैं या इंसाफ की पटरियों का सफर रोक दिया जाता है। अगर पूर्व सरकारों के कार्यों का ऑडिट किया जाए, तो मालूम हो जाएगा कि कई अधूरी इमारतें और योजनाओं के सिरे किस तरह राजनीति के शिकार हो गए। सरकारों के अहम पद, क्षेत्रों की अहमियत में प्रदर्शित होते हैं, जबकि प्रदेश तो 68 विधानसभा क्षेत्रों को एक जैसे ढांचे में आने से बनता है। ऐसे में अगर मंडी की एक परियोजना के सियासी पिंजरे तोड़े जा रहे हैं, तो यही मेहरबानी केंद्रीय विश्वविद्यालय की तकसीम में जदरांगल परिसर पर भी होनी चाहिए।

ऐसी बहुत सारी अर्जियां शिमला और दिल्ली सरकारों के बीच टकरा रही हैं। कमोबेश हर परियोजना की प्रस्तावना राज्य द्वारा लिखी जाती है, लेकिन वित्तीय पोषण का ख्याल केंद्र को रखना है। हिमाचल अगर आज प्रगतिशील राज्यों की कतार में टॉप टेन में है, तो यह तालमेल शिमला से दिल्ली को एकसाथ जोड़ता है। हम अगर कुछ कर पाए तो केंद्र ने खर्च का नब्बे प्रतिशत और राज्य ने दस फीसदी अदा किया, लेकिन अब शिकायतें इसलिए बढ़ रही हैं, क्योंकि दिल्ली पहाड़ी राज्य होने के मापदंडों से प्राथमिकता नहीं दे रहा। बहुत सी वित्तीय शर्तें और पैगाम ऐसे भी हैं जो संकीर्णता का दबाव बढ़ाने लगे हैं। स्मार्ट सिटी जैसी परियोजनाओं में वित्तीय पोषण में केंद्र ने अपनी भागीदारी 50 फीसदी कर ली या राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों की स्थापना में शर्तों का ताज कांटों भरा हो गया। खास तौर पर भू-अधिग्रहण की जिम्मेदारी से यह प्रदेश कुचला जा रहा है। रेलवे विस्तार परियोजनाओं में भू-अधिग्रहण का वर्तमान फार्मूला बदलना होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियन विकास बैंक परियोजनाओं में पैदा हो रही खींचतान को सार्थक निष्कर्ष तक लाना होगा। कुछ मंजूर परियोजनाओं में हो रहे बदलाव पर रोक इसलिए लगाई जा रही है, क्योंकि इसमें अतीत का वर्तमान से संघर्ष है। अगर पूर्व सरकार ने एक परियोजना को अमलीजामा पहनाने की कसरत में योगदान किया है, तो वर्तमान को चिन्हित राहों का सम्मान करना होगा या उसी को बेहतर अंजाम तक पहुंचाना होगा। करीब 1600 करोड़ के प्राजेक्ट इसलिए हवा में झूल रहे हैं क्योंकि एक पिछली सरकार की डीपीआर थी और अब उसी के अंदाज को बदला गया है। यह बहस राज्य का मालिक कौन में बदल गई, तो नुकसान भी राज्य का ही होगा।

जाहिर है आगे कुछ करने के बजाय पीछे जहां तक हुआ, उसमें विरोधाभास की गठरी नजर आ रही है। इसमें समय और संदेह के कारण कई विराम आ सकते हैं। ये आर्थिक विराम हैं जो पुरानी फाइलों को नए मंतव्यों से लड़ता देख रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

कल होगा रक्तदान शिविर का आयोजन प्रसार प्रचार के माध्यम से कर रहे लोगों को बढ़चढ़कर रक्तदान करने हेतु प्रेरित

ओबेदुल्लागंज(संवाददाता)। भोजपुर रक्तदान कल्याण संगठन के बैनर तले आगामी दो मार्च को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा उक्त रक्तदान शिविर राजधानी भोपाल हमीदिया अस्पताल के प्रशिक्षित डाक्टरों की मौजूदगी में सम्पन्न होगा। भोजपुर रक्तदान कल्याण संगठन के संस्थापक हरपाल सिंह राजपूत ने बताया कि संगठन द्वारा विगत 10 बर्षों से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सैकड़ों यूनिट रक्त का दान किया जा चुका है संगठन द्वारा लगने वाले शिविर में स्थानीय राजनेता अधिकारी सामाजिक कार्यकर्ता व्यापारी सहित महिलाएं बढ़चढ़कर भाग लेती हैं समिति द्वारा विभिन्न प्रचार माध्यमों से लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

डूंगरिया से प्रयागराज, अयोध्या काशी विश्वनाथ तक श्रद्धालुओं की पदयात्रा का भव्य समापन

बैरसिया। ग्राम डूंगरिया के 48 श्रद्धालुओं ने धर्म, आस्था और भक्ति की अद्वितीय मिसाल पेश करते हुए करीब 1000 किलोमीटर की पैदल पदयात्रा पूरी की। यह यात्रा प्रयागराज, अयोध्या और काशी विश्वनाथ तक संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने 22 दिन लगातार पदयात्रा कर धार्मिक स्थलों के दर्शन किए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का विभिन्न स्थानों पर स्थानीय भक्तों द्वारा फूल मालाओं और प्रसाद के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। रात्रि विश्राम के समय श्रद्धालु समीपस्थ मंदिरों में रुकते और रामधुन एवं भजन-कीर्तन कर वातावरण को भक्तिमय बना देते थे। करीब एक महीने की यात्रा के बाद सभी श्रद्धालु सकुशल अपने गांव डूंगरिया लौटे। गांव पहुंचने पर ओम सिद्धि कृषि सेवक केंद्र मंगरा जोड़ पर किसान संघ के जिला मीडिया प्रभारी विनय पटेल द्वारा श्रद्धालुओं का शाल, श्रीफल और पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। सभी श्रद्धालुओं के लिए सत्कार एवं सामूहिक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। इस अवसर पर ग्राम सरपंच शैतान सिंह राजपूत, सचिव कैलाश नारायण साहू, रोजगार सहायक दशरथ सिंह राजपूत पंडित कैलाश नारायण बैरागी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आईटीएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा नर्मदा अस्पताल में विशेष ओपीडी का आयोजन

छतरपुर। मध्य प्रदेश - आईटीएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा विशेष ओपीडी का आयोजन नर्मदा अस्पताल, छतरपुर में शनिवार, 1 मार्च को किया जाएगा। इस विशेष ओपीडी में आईटीएम हॉस्पिटल के विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहेंगे, जो छतरपुर के नागरिकों को उन्नत चिकित्सा परामर्श प्रदान करेंगे। यह पहल हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण, यूरोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी के क्षेत्र में उन्नत चिकित्सा परामर्श प्रदान करने के लिए की गई है। अब छतरपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोग बिना लंबी यात्रा किए विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। डॉ. मनीष अग्रवाल (एम.बी.बी.एस., एम.एस., कंसल्टेंट - हड्डी रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण) डॉ. अदित बोहरे (कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट - किडनी स्टोन, किडनी रोग, पुरुष बांझपन, प्रोस्टेट समस्याएं) डॉ. अरविंद सिंह (कंसल्टेंट गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट - लिवर रोग, पाचन संबंधी समस्याएं, आईबीएस, फैटी लिवर) आईटीएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एक अग्रणी मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है, जो उन्नत चिकित्सा सेवाओं, अत्याधुनिक तकनीक और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम के लिए जाना जाता है। यह अस्पताल हड्डी रोग, न्यूरोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी और कई अन्य विशेष सेवाएं प्रदान करता है। मरीजों की देखभाल को प्राथमिकता देते हुए, आईटीएम हॉस्पिटल हमेशा गुणवत्तापूर्ण उपचार और संवेदनशील देखभाल देने के लिए प्रयासरत रहता है। नर्मदा केयर अस्पताल, छतरपुर का एक प्रतिष्ठित स्वास्थ्य केंद्र है, जो सस्ती और उच्च-गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी डॉक्टरों की टीम के साथ, यह अस्पताल सामान्य और विशेष चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराता है। नर्मदा अस्पताल का उद्देश्य स्थानीय निवासियों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है

पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे का सुरक्षित तरीक़े से निष्पादन प्रारंभ,वायदे के मुताबिक़ इंदौर के कमिश्नर भी पीथमपुर में रहे मौजूद

इंदौर। धार जिले के पीथमपुर के तारपुरा गांव में स्थित रामकी एनवायरो फैक्ट्री में शुक्रवार को यूनियन कार्बाइड के कचरे का निष्पादन सुरक्षा के सभी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ कर दिया गया। इंदौर के संभागायुक्त दीपक सिंह ने पूर्व में जब निष्पादन प्रक्रिया पर संदेह व्यक्त किया जा रहा था तब यह वायदा किया था कि कचरा निष्पादन के दौरान वे स्वयं मौक़े पर मौजूद रहेंगे। वायदे को निभाते हुए संभागायुक्त श्री दीपक सिंह अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीथमपुर में मौजूद रहे। उन्होंने बताया है कि कचरा निष्पादन की पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक प्रारंभ हुई है और कहीं से भी कोई विपरीत परिस्थिति निर्मित नहीं हुई है।

सुबह से ही पीथमपुर स्थित रामकी संयंत्र में मध्य प्रदेश पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, धार कलेक्टर प्रियंक मिश्र, आईजी अनुराग, डीआईजी निमिष अग्रवाल, एसपी मनोज कुमार सिंह और मध्यप्रदेश प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी मौजूद रहे। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे कचरे को भस्मक (इंसीनरेटर) में डाला गया। फैक्ट्री में पहले ट्रायल रन के तहत 10 टन कचरा नष्ट किया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। फैक्ट्री परिसर के अंदर स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) के 130 जवान तैनात हैं, जबकि बाहर डीएसपी रैंक के अधिकारी तैनात हैं। पूरे क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू है।

जनमानस में बना विश्वास का वातावरण: उल्लेखनीय है कि माननीय उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक़ प्रशासन द्वारा पीथमपुर क्षेत्र में व्यापक जन जागरूकता का कार्य किया गया। आम जनता सहित विद्यार्थियों और विभिन्न संस्थाओं में जाकर कचरा निष्पादन की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई और बताया कि यह समूची प्रक्रिया पूरी तरीक़े से सुरक्षित है और इसके कोई भी दुष्परिणाम क्षेत्र की मिट्टी अथवा जल में नहीं आएंगे। वातावरण में भी किसी तरह के हानिकारक गैस का प्रसारण नहीं होगा। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के मार्गदर्शन में व्यापक रूप से चलाए गए इस जनजागरूकता अभियान के अच्छे परिणाम प्राप्त हुए और क्षेत्र में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ।

कचरे के निपटान से पहले प्रशासन ने जन सहमति प्राप्त करने के लिए सक्रिय प्रयास किया। इसके तहत स्थानीय नागरिकों, पर्यावरण संगठनों, वैज्ञानिक विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित किया गया है ताकि निष्पादन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सके। यूनियन कार्बाइड कचरे का निष्पादन केवल तकनीकी या प्रशासनिक मामला नहीं है, बल्कि यह पर्यावरणीय संतुलन और जनस्वास्थ्य से सीधा जुड़ा है। इसलिए निष्पादन प्रक्रिया में वैज्ञानिक मानकों का पूरी तरह पालन किए जाने की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा है । प्रशासन ने जनता और पर्यावरणविदों के सुझावों को भी ध्यान में रखा है । लॉन्ग-टर्म प्लानिंग के तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में कोई समस्याएं उत्पन्न न हों। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त नियमों और नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

धार जिला प्रशासन ने जनसंवाद के माध्यम से निष्पादन प्रक्रिया को पारदर्शी और लोकतांत्रिक बनाने का सराहनीय प्रयास किया है। जनता, वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों को शामिल करके जनसहयोग आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाई गई है।जब जनता और प्रशासन मिलकर कार्य करें, तो जटिल समस्याओं का सुरक्षित और स्थायी समाधान संभव हो सकता है। इस प्रक्रिया से न केवल यूनियन कार्बाइड कचरे का सुरक्षित निष्पादन सुनिश्चित होगा, बल्कि भविष्य के लिए एक आदर्श मॉडल भी स्थापित होगा।

विभागीय लापरवाही के चलते भैंस का बच्चा गटर में गिर गया

सहायक आयुक्त विभाग ने लापरवाही के चलते गटर खुला छोड़ दिया

मंडला। जिले में अभी तक भ्रष्टाचार और मासूम बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाला जो सुर्खियों में बना हुआ है सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग जो आये दिन कभी स्कूल में बच्चों से झाड़ू-पोंछा लगवाने को लेकर तो कभी बर्तन साफ कराने को लेकर तो कभी वर्षों से लापता शिक्षक जो

घर बैठे शासन से मुफ्त में पगार ले रहे हैं उनका चिठ्ठा-पर्चा खोलने के बावजूद भ्रष्टाचारी अधिकारियों द्वारा दिया जा संरक्षण ने आज एक बार फिर एक मूक जीव की जान लेने की कोशिश की है मामला सहायक आयुक्त विभाग के सामने संचालित छात्रावास के सेप्टिक टैंक में एक भैंस के बच्चे के गिरने से एक घंटों तक हलचल मच गई। घटना के बाद गौ सेवा और नगरपालिका के कर्मचारियों ने बचाव कार्य में हाथ डाला, लेकिन टैंक के चेम्बर का मुंह छोटा होने के कारण पहले बचाव कार्य विफल हो गया।

सहायक आयुक्त आदिवासी जनजातीय कार्य विभाग द्वारा लापरवाहियों के चलते किया गया यह कृत्य एक मासूम जीव की जिंदगी से खिलवाड़ का मामला है जहां यह घटना विभागीय लापरवाही का परिणाम है। छात्रावास निर्माण के दौरान, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के कार्यालय के पास सेप्टिक टैंक के ऊपर लगी फेंसिंग को तोड़ा गया था, लेकिन इसे ठीक से बंद नहीं किया गया। विभागीय अधिकारियों ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया, जबकि यह सबको पता था कि टैंक के ऊपर केवल एक चीप रखा गया था, जो किनारे पड़ी थी। और उस पर कोई ढक्कन नहीं था। भैंस के बच्चे को निकालने को लेकर किया गया रेस्क्यू के दौरान, विभागीय अधिकारियों ने केवल अपनी राय दी, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाए। जब सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता से संपर्क किया गया, तो उन्होंने जवाब दिया कि वह हाईकोर्ट में हैं, और इस मामले में सिंगौर जी से संपर्क करने की सलाह दी। हालांकि, उनके द्वारा भी कोई पहल नहीं की गई। इसके बाद विभाग के ठेकेदार को बुलाया गया जिसमें एक ठेकेदार ने काम करने में रुचि दिखाई, अंत में, दूसरे ठेकेदार ने मानवीयता का परिचय देते हुए तुरंत जेसीबी मंगवाई और जानवर का सफल रेस्क्यू किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के सागर पहुंचने पर जगह -जगह हुआ भव्य स्वागत

सागर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के अल्प प्रवास पर सागर पहुंचने पर जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजकुमार पचौरी के नेतृत्व में मोती नगर चौराहे पर उनकी अगवानी की गई एवं भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत करने वालों में पूर्व विधायक सुनील जैन, गुड्डू राजा बुंदेला, अमितरामजी दुबे, प्रवक्ता एवं उपाध्यक्ष आशीष ज्योतिषी, अवधेश तोमर सेवादल अध्यक्ष द्वय सिन्टू कटारे व महेश जाटव, गुरजीत सिंह अहलूवालिया, नीरज मुखारया, प्रदीप पप्पू गुप्ता, शैलेन्द्र तोमर, विमल जैन, चक्रेश सिंघई, ब्रजेन्द्र नगरिया, जमना सोनी सहित सेकड़ो की संख्या में कांग्रेसजनों ने मोतीनगर चौराहे पर स्वागत किया।

मोतीनगर चौराहा से उनका काफिला धर्मश्री, तिली चौराहा होते हुए आई जी ऑफिस तिराहा पहुंचा जहां नगर निगम नेता प्रतिपक्ष बब्बू यादव के नेतृत्व में पार्षद दल ने मंच लगाकर उनका स्वागत किया। मनोरमा कॉलोनी के पास महेश अहिरवार के नेतृत्व में स्वागत किया गया। कालीचरण चौराहा पर युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल चौबे एवं शहर अध्यक्ष जितेंद्र चौधरी के नेतृत्व में तथा सिविल लाइन चौराहा पर एन एस यू आई अध्यक्ष अक्षत कोठारी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। मकरोनीय में भी जीतू पटवारी का जगह जगह स्वागत किया गया। यहाँ से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का काफिला कर्रापुर ग्राम में संत रविदास मंदिर पंहुचा।

कर्रापुर से वापसी में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पदमाकर सभागार के पास पत्रकारों से सौजन्य भेंट कर देश और प्रदेश के गंभीर हालातों पर चर्चा की।

भाजपा के हर एक कार्यकर्ताओं को जिला संगठन में मान सम्मान और कार्य मिलेगा: निलेश

कार्यकर्ता सम्मेलन में केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर व पूर्व मंत्री दत्तीगांव भी हुए शामिल

धार। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त धार जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बदनावर क्षेत्र के दौरे पर आए। पहली बार आगमन पर यहां बड़ी चौपाटी स्थित करिश्मा पैलेस पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सांवित्री ठाकुर व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव मुख्य अतिथि रूप में मंचासीन थे। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, भाजपा के ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार, पूर्व विधायक खेमराज पाटीदार, नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व राज्यमंत्री राजेश अग्रवाल व महेंद्रसिंह पिपलीपाडा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष जहांगीर लाला, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रहलाद सिंह सोलंकी, भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, पिछड़ा वर्ग मोर्चे के प्रदेश सहमीडिया प्रभारी नरेंद्र राठौड आदिवासी नेता दिनेश गिरवाल, भाजपा नेता कुलदीप सिंह पिपलीपाडा आदि नेता मंचासीन थे। स्वागत भाषण भाजपा के ज़िला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद हुई। भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष प्रीतेश सिंह पंवार, बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष संजयसिंह मुंगेला, ग्रामीण

अध्यक्ष गोविंद रघुवंशी, बिड़वाल मंडल अध्यक्ष संतोष ढोलकिया, कानवन मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ व सादलपुर मण्डल अध्यक्ष मुन्नालाल पटेल ने अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक कार्यकर्ता आधारित दल है। हम सभी को संगठित होकर अपने बूथ की मजबूती के लिए प्रयास करना चाहिए। भाजपा के सभी कार्यकर्ता एकजुटता के साथ काम करें व शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाएं। कार्यकर्ता ही पार्टी की असली पूंजी व नींव है। उनके सम्मान में कभी कमी नही आने देंगे।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओ का संगठन है। कार्यकर्ताओ की भावनाओं के अनुरूप ही संगठन में दायित्त मिलता है। पार्टी जो काम सोपे उनका सक्रियता से निर्वहन करें। छोटे कार्यकर्ताओ को आगे कैसे बढ़ाया जाए। यह भाजपा पार्टी सोचती है। सामान्य परिवार का कार्यकर्ता आज जिलाध्यक्ष बनकर बैठा। यह सब जमीनी कार्य करने के कारण ही संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर हमेशा सक्रिय रहे। अगर कांग्रेस के लोग बेबुनियाद व झूठी पोस्ट या पार्टी नेताओं के खिलाफ झूठी पोस्ट डाले तो उनका मुहतोड़ जवाब दे।

निलेश भारती ने कहा कि छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने वाली भाजपा पार्टी है भाजपा कार्य पद्धति से भाजपा को विश्व में नंबर वन बनाया और यह संभव देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुआ। भाजपा के हर एक कार्यकर्ताओं को जिला संगठन में मान सम्मान और कार्य मिलेगा हर काम के लिए एक कार्यकर्ता होगा। भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता को जिले के अध्यक्ष पद पर मौका देना यह सिर्फ भाजपा में संभव है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने उप जेल मंडलेश्वर का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता खरगोन। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंडलेश्वर के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रीति जैन द्वारा उप जेल मंडलेश्वर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस अवसर पर शिविर का आयोजन भी किया गया।

इस दौरान न्यायाधीश द्वारा बंदियों को कानून संबंधी जानकारी देकर बंदियो को उनके अधिकारों से अवगत कराया गया। उन्होने बंदियों की अपीलो के संबंध में जानकारी देते हुए कहां कि बंदी अपनी अपील हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट तक कर सकता है। साथ ही जमानत के लिए भी आवेदन लगा सकता है। वह चाहे तो विधिक सहायता के माध्यम से भी आवेदन एवं अपील कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने बंदियों की समस्याए सुनी एवं उनकी समस्याओं को नोट किया तथा निराकरण के लिए आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने बंदियों से उनके बैरकों में रहने, खाने तथा स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली गई। शिविर में रूपेश कुमार शर्मा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसेल, निशा कौशल, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसेल, उप जेल अधीक्षक श्वेता मीणा, जेल स्टॉफ एवं बंदीगण उपस्थित रहें।

दमोह में स्लाटर हाउस नहीं खोला जाएगा- मंजू राय

दमोह। नगर पालिका अध्यक्ष मंजू वीरेंद्र राय एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नचंद जैन द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में समस्त पाषर्दगढ़ एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बिल्कुल स्पष्ट रूप से कहा की दमोह एक धार्मिक आस्था की नगरी है जिसमें सभी संप्रदाय के लोग निवास करते हैं एवं सनातन धर्म के लोगों की आस्था शुरू से ही गो वंश के विरुद्ध रही है ऐसी स्थिति में 25 फरवरी को आयोजित परिषद की बैठक का यही उद्देश्य था की समस्त परिषद को परिषद का प्रस्ताव क्रमांक 7 पढ़कर सुनाया जाए और सभी पार्षदों की सहमति दी जाए कि सिलस्टर हाउस नहीं खुलेगा नहीं खुलेगा किंतु भाजपा के पार्षद गणों ने जानबूझकर बैठक में हो हल्ला मचाकर बैठक को निरस्त करवा दिया पुनः 27 फरवरी को आयोजित बैठक मैं भी संकल्प क्रमांक 7 को ही सभी पार्षदों की सहमति से सिलतर हाउस के विरोध में हस्ताक्षर करके संकल्प पत्र की प्रति हाई कोर्ट जबलपुर भेजी जानी थी किंतु भाजपा द्वारा दमोह की जनता को भ्रमित करने के उद्देश्य से एवं धार्मिक द्वेष फैलाने की दृष्टि से यह पूरा षड्यंत्र रचा गया और पुणे कलेक्टर महोदय के माध्यम से बैठक स्थगित करवा दी इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मंजू राय ने स्पष्ट रूप से पत्रकार वार्ता में कहा कि मैं और मेरी परिषद किसी भी सूरत में दमोह एवं आसपास के

धार्मिक क्षेत्र में संनहीजमत हाउस खोलने की अपनी सहमति कभी नहीं दे सकती जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रत्नचंद जैन ने दमोह की जनता को अस्वस्थ करते हुए कहा कि हम सभी सनातन धर्म के लोग ना तो कभी गोवंश के पक्ष में रहे हैं और ना ही सेलाटर हाउस जैसी परमिशन को नगर पालिका के माध्यम से देने के पक्ष में है उन्होंने स्पष्ट कहा कि भाजपा और कांग्रेस के पार्षद गण एकमत होकर यदि प्रस्ताव के पक्ष में अपने हस्ताक्षर करके उसकी प्रति हाई कोर्ट को भेज देते तो निश्चित रूप से इस अनिश्चित पर पूर्ण विरामर लग जाता किंतु जानबूझकर शहर के अन्य मुद्दों से ध्यान भटकने एवं कांग्रेस शासित परिषद की छवि को धूमिल करने को उद्देश्य कतीपे नेताओं द्वारा जया षड्यंत्र रचा गया उसकी जिला कांग्रेस कमेटी निंदा करती है और हम शहर के विकास के लिए कृत संकल्पित है अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवम राय ने इस अवसर पर पत्रकार बंधुओ को संबोधित करते हुए कहा कि अध्यक्ष का प्रतिनिधि होने के नाते जब मैं स्पष्ट रूप से अपनी बात परिषद में रखता हूं तो तो बीजेपी के पार्षद प्रतिनिधि बोलने से रोकते हैं जबकि वे लोग प्रतिनिधि के रूप में अपनी बात रख सकते हैं यह दोहरा व्यवहार क्यों किया जा रहा है मेरा स्पष्ट रूप से कहना है की दमोह के बुद्धिजीवि जन नगर पालिका के प्रस्ताव को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं भाजपा द्वारा फैलाये जारहे षड्यंत्र का पर्दाफाश करें इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजा राय महिला कांग्रेस के अध्यक्ष रजनी ठाकुर कांग्रेस की संभागीय प्रवक्ता निधि श्रीवास्तव पाषर्दगढ़ राजा रौतेला राजू बघीरा रफीक खान अमर सिंह मिकी चंदेल हेमराज भइया रमेश राठौड़ जीशान पठान सेवा दल के बीरन ठाकुर प्रफुल्ल श्रीवास्तव मंजीत यादव वेल त्रिवेदी अरुण मिश्रा एडवोकेट नितिन मिश्रा आदि नेताओं की उपस्थिति रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara

Add. In front of shukla Ground. guraiya road ward no.39,Chhindwara (M.P) 480001
Tel. 07162- 222346
E.Mail-commchhindwara@mpurban.gov.in

क्रमांक/7044/रा.शा. /न.पा.नि./ 2025 छिंदवाड़ा दिनांक 28/02/2025

// निविदा आमंत्रण द्वितीय सूचना //

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये निम्नलिखित ठेके दिये जाने ऑन-लाईन निविदा आंमत्रण की जा रही है। अतः सारणी में दर्शाये विवरण एवं शर्तों का पालन करने वाला व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकता है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट **https://www.mptenders.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है, इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तों की जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व (दुकान)शाखा में देखी जा सकती है विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	टेण्डर क्रमांक	फीस/शुल्क/कर	ठेका अवधि	अपसेट प्राईज	अमानत राशि
1	2025_UAD_401030_2	राजीव गांधी बस स्टैण्ड में आने-जाने वाले वाहनों से प्रवेश पार्किंग शुल्क वसूली ठेका	01.04.2025 से 31.03.2026 तक वर्ष 2025-26	6,05,000/- (रूपये छः लाख पांच हजार मात्र)	61,000/- (रूपये इकसठ हजार मात्र)
2	2025_UAD_401030_2	मानसरोवर बस स्टैण्ड में आने-जाने वाले वाहनों से अनुरक्षण शुल्क वसूली ठेका	01.04.2025 से 31.03.2026 तक वर्ष 2025-26	18,50,000/- (रूपये अठारह लाख पचास हजार मात्र)	1,85,000/- (रूपये इकसठ पचयासी हजार मात्र)

निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17/03/2025
नोटः- नीलामी से संबंधित अन्य नियम एवं शर्तें **https://www.mptenders.gov.in** एवं राजस्व शाखा में (अवकाश दिवस छोड़कर) कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325

वर्ष 11 अंक 11 पृष्ठ 5

आर्य भट्ट

वेदांग निर्णय सागर

मार्च 2025

सपादक/पंचागकर्ता
पं. पी एन भट्ट

ता. 1 उदयकालीन ग्रहाचार

१२ चं.बु. रा.शु. | १० सू.श. | ११ | ९ | २ गु. | ८ | ३ मं. | ४ | ५ | ६ के. | ७

ता. 15 उदयकालीन ग्रहाचार

१२ सू.रा बु.शु. | ११ श. | १ | २ गु. | १० | ३ मं. | ९ | ४ | ८ | ६ चं. के. | ५ | ७

श्री विक्रम संवत् २०८१/८२
वीर निर्वाण संवत् २५५१

शक संवत् १९४६/४७
बंगला सन् १४३१

मूल: रेवती के ता.२ को ४/३५ शाम से ता.३ को ६/३१ प्रातः तक फिर अश्विनी के मूल ४/२६ रा.अं. तक। अश्लेषा के मूल ता.१० को २/४७ दिन से ता.११ को २/१५ रा.अं. तक फिर मघा के मूल ता.१२ को ४/०५ रा.अं. तक। ज्येष्ठा के मूल ता.२० को ११/३१ रात्रि से ता.२१ को १/४६ रा.अं. तक फिर मूल के मूल ता.२२ को ३/२३ रा.अं. तक। रेवती के मूल ता.२९ को ७/२६ रात्रि से ता.३० को ४/३५ शाम तक फिर अश्विनी के मूल ता.३१ को १/४५ दिन तक।

पंचक- पिछली ता. ३ के ६/३१ प्रातः तक, फिर ता. २६ को ३/१५ दिन से ता.३० को ४/३५ शाम तक।

ता. १४ होली

ता. ३० भगवान झूलेलाल जयंती

हिजरी सन् 1446 सावान, रजमान, सव्वाल मास (10) ता.1 चन्द्रदर्शन, ता.2 से रमजान, ता.22 हजरत अली श., ता.28 जुमातुलविदा, शब-ए-कद्र, ता.30 चन्द्रदर्शन, ता.31 सव्वाल मास प्रार. ईदुल-फित्र

भद्रा: ता.३ को ७/३० प्रातः से ६/०२ शाम तक। ता.६ को १०/५० दिन से १०/०१ रात्रि तक। ता.९ को ७/४१ रात्रि से ता.१० को ७/४४ प्रातः तक। ता.२० को २/४५ रा.अं. से ता.२१ को ३/३८ दिन तक। ता. २४ को ४/२७ को शाम से ५/०५ रा.अं. तक। ता.२७ को ११/०३ रात्रि से ता.२८ के ९/३२ प्रातः तक।

गुरू, शुक्र तारा - गुरू पूरब में, शुक्र पश्चिम में उदित, ता. १९ के ५/३२ शाम को शुक्रास्त फिर ता.२२ के ११/१३ रात्रि से पूर्व में उदित। **पुष्य नक्षत्र-** ता.९ को ११/५५ रात्रि से ता.१० के १२/५१ रात्रि तक।

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.१ फुलरिया दोज, चन्द्रदर्शन, ता.३ विनायकी चतुर्थी व्रत, ता.१० आमलकी, रंगभरी एकादशी, ता.११ गोविंद द्वादशी, प्रदोष व्रत, ता.१३ व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन, ता.१४ होली उत्सव, स्ना.दा. पूर्णिमा, ता.१५ बसंतोत्सव, ता.१६ भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा, ता.१७ गणेश चतुर्थी व्रत, ता.१९ रंग पंचमी, ता.२० एकनाथ छठ, ता.२१ भनु सप्तमी, ता.२२ शीतलाष्टमी (बसोरा), ता.२५ पापमोचनी एकादशी, ता.२७ वारूणी पर्व, प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत, ता.२९ स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, ता.३० गड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रांभ, बैठकी, चेटीचंड, चंद्रदर्शन, ता.३१ सिंघारा दोज।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.२ को सूर्योदय से ८/५९ प्रातः तक। ता.४ को सूर्योदय से ४/२९ रा.अं. तक। ता.५ को ७/१५ प्रातः से रा.अं. तक। ता.९ को ११/५५ रात्रि से ता.१० के १२/५१ रात्रि तक। ता.११ को सूर्योदय से २/१५ रा.अं. तक। ता.१६ को सूर्योदय से ११/४५ दिन तक। ता.१९ को ८/५० रात्रि से ता. २० के ११/३१ रात्रि तक। ता.३० को ४/३५ शाम से रा.अं. तक। **अमृत सिद्धि योग-** ता.४ को सूर्योदय से ८/५३ दिन तक। ता.१६ को सूर्योदय से ११/४५ दिन तक। ता.१९ को ८/५० रात्रि से रा.अं. तक।

शुभ मुहूर्त

विवाह- ता.१, २, ३, ६, ७, ११, १२। **उपनयन-** ता. २, ९, १०, १६। **मुण्डन-** ता.१०। **नामकरण-** ता.६, १०, २४, २७, ३१। **अन्नप्राशन-** ता.६, २७। **गृहारंभ-** ता.१०। **गृहप्रवेश-** ता.६, ७। **व्यापार-** ता. २, ६, ७, १०, १९, २०, २४।

जयंतियाँ

ता.१ स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती, ता.१० सावित्री बाई फुले पुण्यतिथि, ता.१४ श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु जयंती, स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ जयंती, ता.२१ विश्व वानिकी दिवस, ता.२२ राष्ट्रीय शक संवत् १९४७ प्रारम्भ, ता.२३ भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरू शहीद दिवस, ता.२५ गणेश शंकर विद्यार्थी बलि. दिवस, ता. ३० महर्षि गौतम जयंती, विक्रम संवत २०८२ प्रारम्भ।

ग्रह स्थिति

सूर्य- कुम्भ राशि में, ता.१४ के ९/२५ रात्रि से मीन राशि में। **मंगल-** मिथुन राशि में। **बुध-** मीन राशि में, ता.१५ के १०/०६ रात्रि से वक्री। **गुरू-** वृष राशि में। **शुक्र-** मीन राशि में, ता.२ के ३/१६ दिन से वक्री। **शनि-** कुम्भ राशि में, ता. २९ के ८/५१ रात्रि से मीन राशि में। **राहु-** मीन राशि में। **केतु-** कन्या राशि में।

चन्द्र स्थिति

ता.१ को मीन का। ता.३ को ६/३९ प्रातः से मेष का। ता.५ को ८/१३ प्रातः से वृष का। ता.७ को ११/४५ दिन से मिथुन का। ता.९६ को ५/४५ शाम से कर्क का। ता.११ को २/१५ रा.अं. से सिंह का। ता.१४ को १२/५६ दिन से कन्या का। ता.१६ को १/१५ रा.अं. से तुला का। ता.१९ को २/०७ दिन से वृश्चिक का। ता.२१ को १/४६ रा.अं. से धनु का। ता.२४ को १०/२५ दिन से मकर का। ता.२६ को ३/१५ दिन से कुम्भ का। ता.२८ को ४/४८ शाम से मीन का। ता. ३० को ४/३५ शाम से मेष का। ता.३१ को मेष का।

वार					
रवि	**30** चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा, घट स्थापना; भ. झूलेलाल जयंती; चन्द्र दर्शन; पंचक ४/३६ शाम तक; रेवती ४/३६ शाम तक; चैत्र शुक्ल १, १२/४१ दिन तक	**2** पंचक; उ.भा. ८/४९ प्रातः तक; फाल्गुन शुक्ल ३, ९/०१ रात्रि तक	**9** पुनर्वसु ११/५५ रात्रि तक; फाल्गुन शुक्ल १०, ७/४५ प्रातः तक	**16** भाई दूज; भ. चित्रगुप्त पूजा; हस्त ११/४५ दिन तक; चैत्र कृष्ण २, ४/५८ शाम तक	**23** पू.षा. ४/१८ रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण ९, ५/३८ रा.अं. तक
सोम	**31** चैटी चण्ड, गौरी पूजा, गणगौर; मत्स्य जयंती; ईदुल-फित्र; अश्विनी १/४५ दिन तक; चैत्र शुक्ल २, ९/११ प्रातः तक	**3** विनायक चतुर्थी; अश्विनी ४/२६ रा.अं. तक; रेवती ६/३१ प्रातः तक; फाल्गुन शुक्ल ४, ६/०२ शाम तक	**10** आमलकी एकादशी; पुष्य १२/५१ रात्रि तक; फाल्गुन शुक्ल ११, ७/४४ प्रातः तक	**17** संकष्टी चतुर्थी; छत्रपति शिवाजी महाराज ज.; चित्रा २/४७ दिन तक; चैत्र कृष्ण ३, ७/३३ रात्रि तक	**24** विश्व टी.बी. दिवस; उ.षा. ४/२७ रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण १०, ५/०५ रा.अं. तक
मंगल	ता. १ स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती	**4** स्कन्द षष्ठी; भरणी २/३० रा.अं. तक; फाल्गुन शुक्ल ५, ३/१६ दिन तक	**11** प्रदोष व्रत; गोविंद द्वादशी; अश्लेषा २/१५ रा.अं. तक; फाल्गुन शुक्ल १२, ८/१३ प्रातः तक	**18** स्वाति ५/५२ शाम तक; चैत्र कृष्ण ४, १०/०९ रात्रि तक	**25** पाप मोचनी एकादशी; मां. कर्मा देवी जयंती; श्रवण ३/४१ रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण ११, ३/४५ रा.अं. तक
बुध	ता. १४ चैतन्य महाप्रभु जयंती	**5** विजया एकादशी; कृत्तिका १/०८ रा.अं. तक; फाल्गुन शुक्ल ६, १२/५१ दिन तक	**12** विनायक चतुर्थी; मघा ४/०५ रा.अं. तक; फाल्गुन शुक्ल १३, ९/११ प्रातः तक	**19** रंग पंचमी; विशाखा ८/५० रात्रि तक; चैत्र कृष्ण ५, १२/३६ रात्रि तक	**26** वै. पापमोचनी एकादशी; पंचक ३/१५ दिन से; धनिष्ठा २/३० रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण १२, १/४३ रा.अं. तक
गुरु	ता. २५ मां कर्मा देवी जयंती	**6** रोहणी व्रत; अष्टान्हिका विधान प्र.; रोहणी १२/०५ रात्रि तक; फाल्गुन शुक्ल ७, १०/५० दिन तक	**13** होलिका दहन; पू.फा. समस्त; फाल्गुन शुक्ल १४, १०/३५ दिन तक	**20** रानी अवंती बाई बलि. दि.; अनुराधा ११/३१ रात्रि तक; चैत्र कृष्ण ६, २/४५ रा.अं. तक	**27** प्रदोष व्रत, पंचक; शतभिषा १२/३४ रात्रि तक; चैत्र कृष्ण १३, ११/०३ रात्रि तक
शुक्र	ता.२५ डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री, जन्मोत्सव	**7** मृगशिरा ११/३२ रात्रि तक; फाल्गुन शुक्ल ८, ९/१८ प्रातः तक	**14** होली, बसंत पूर्णिमा, चन्द्र ग्रहण पूर्ण; चैतन्य महाप्रभु जयंती; उ.फा. समस्त; लक्ष्मी जयंती; पू.फा. ६/१९ प्रातः तक; फाल्गुन पूर्णिमा, १२/२३ दिन तक	**21** शीतला सप्तमी; ज्येष्ठा १/४६ रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण ७, ४/२४ रा.अं. तक	**28** पंचक; पू.भा. १०/०१ रात्रि तक; चैत्र कृष्ण १४, ७/५५ रात्रि तक
शनि	**1** फुलैरा दूज, राम कृष्ण जयंती; चन्द्र दर्शन; पंचक; पू.भा. ११/३२ दिन तक; फाल्गुन शुक्ल २, १२/०१ रात्रि तक	**8** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस; आर्द्रा ११/२८ रात्रि तक; फाल्गुन शुक्ल ९, ८/१६ प्रातः तक	**15** इष्टि; बसंतोत्सव; उ.फा. ८/४७ प्रातः तक; चैत्र कृष्ण १, २/३३ दिन तक	**22** बसोड़ा, शीतला अष्टमी; कालाष्टमी; मूल ३/२३ रा.अं. तक; चैत्र कृष्ण ८, ५/२३ रा.अं. तक	**29** सूर्य ग्रहण आंशिक, पंचक; विक्रम संवत २०८१ समा.; उ.भा. ७/२६ रात्रि तक; चैत्र अमावस्या, ४/२७ शाम तक

सागर							
सूर्योदय	दिनांक	1–6/37	5–6/34	10–6/28	15–6/24	20–6/19	25–6/14
सूर्यास्त	दिनांक	1–6/18	5–6/20	10–6/22	15–6/24	20–6/26	25–6/28

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तानुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः
बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

मास फल

मेष- सभी को साथ लेकर चलने की नीति अपनाएं, जिससे काफी सफलता मिलेगी।
वृषभ- आर्थिक लेन-देन में वृद्धि होगी। राजनीतिक क्षेत्र में परिचितों से लाभ होगा।
मिथुन- योजना बनाकर कार्य करेंगे तो सफलता मिलेगी। कर्तव्यों के पूरे होने से खुश होंगे।
कर्क- प्रगति से जुड़ी कुछ घटनाएं घटेंगी।
सिंह- धीरज से आगे बढ़ना।
कन्या- काम के प्रति ईमानदार रहे।
तुला- विचारों में मतभेद होने की संभावना रहेगी। नौकरी और कारोबार में भागदौड़ की बढ़ेगी।
वृश्चिक- वित्तीय लेन-देन में आप अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव देखेंगे।
धनु- परिवार के सदस्यों का साथ तालमेल बिठाएं। जिम्मेदारीयों को निभाना कठिन काम होगा।
मकर- कार्यों में एकाग्रता और दृढ़ता से आप विपरीत परिस्थितियों से उबरने में सक्षम होंगे।
कुंभ- हड़बड़ी में लिए गए अप्रत्याशित निर्णय नई समस्याएं पैदा कर सकतें है।
मीन- दूसरों पर निर्भर हुए बिना आपको अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभानी होगी।

होलिका दहन

ता.१३ मार्च, गुरुवार को रात ११ बजकर २ मिनिट के बाद होलिका दहन करना विशेष शुभ है। होलिका दहन में सूखी अरंड वृक्ष की डाल, गोकाष्ठ, कंडे एवं गाजर घास आदि का ही उपयोग करना चाहिये। हरे-भरे पेड़, प्लास्टिक, रबर, टायर आदि जलाना वातावरण के लिए अशुभ माना गया है। **नोट-** होलाष्टक में सीमित क्षेत्रों में विवाह वर्जित है।

त्रिपुष्कर योग

ता.१ को सूर्योदय से ११/२२ दिन तक। **द्विपुष्कर योग-** ता.१६ को सूर्योदय से ४/५८ शाम तक।

नर्मदा पंचक्रोषी यात्रा

ता.६ से १० तक कवेश्वर-नमदिश्वर रणगाँव (खंडवा), ता.२५ से २९ तक बाला मर्दाना, कतरगाँव (खरगोन)।

एच्छिक अवकाश (राज्य शासन)

ता.१३ होलिका दहन, ता.२० रानी अवंती बाई बलिदान दिवस, ता.२५ माँ कर्मा देवी जयंती, ता.२८ जमातुल विदा।

जैन पर्व

दिगम्बर जैन- ता.६ रोहिणी व्रत, ता.७ से १४ अष्टान्हिका व्रत। ता.१३ षोडषकारण व्रत प्रारम्भ। ता.२३ ऋषभदेव जयंती, तीर्थंकर दिवस, ता. २९ लब्धिविधान व्रत प्रारंभ, ता.३१ लब्धिविधान व्रत पूर्ण। **श्वेताम्बर जैन-** ता.६ चौमासी अट्ठाई प्रारम्भ, ता.१३ चातु. प्रति.। ता.२२ वर्षीतप प्रारम्भ, भ. आदिनाथ दीक्षा कल्याणक, ता.२८ पाक्षिक प्रतिक्रमण, ता.२९ चंद्रवर्ष पूर्ण।

कभी बहस न करें। सिर्फ परिणाम देने पर अपना ध्यान केन्द्रित करें।

बैंक केवाईसी के नाम पर ठगी

चौरई। नगर से लगे झिलमिली में रहने वाले किसान संतोष दुबे पप्पू के साथ गुरुवार को बड़ी ऑनलाइन ठगी हो गई। बैंक की केवाईसी के नाम पर गुरुवार सुबह उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने उन्हें कहा कि उनके बैंक खाते में केवाईसी अधूरी है,जिसके कारण खाते को जल्द बंद कर दिया जाएगा। जिसके बाद उन्होंने फोन करने वाले को जानकारी नहीं दी। लेकिन बैंक से आई एक लिंक को उन्होंने खोला,जिसके बाद उनके खाते में गन्ना की फसल बेचने के एवज में आए 6 लाख रुपए को 2 =2 लाख की तीन स्टॉलमेंट में कट गए। जब उन्होंने अपने भतीजे को रुपए ट्रांसफर करने के लिए खाते को चेक किया तो पता चला कि उनके खाते में आए 6 लाख रुपए गायब हो गए हैं। उन्होंने इसकी सूचना तत्काल पुलिस और साइबर को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पश्चिम बंगाल में बैठकर ठगी

किसान की शिकायत के बाद पुलिस ने इस मामले की तत्काल जांच शुरू कर दी। जिसके बाद 2 लाख की राशि पर होल्ड लगा दिया। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल से उनके खाते को हैक किया गया है। अब पुलिस ने जांच शुरू कर दी है

कन्या महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग में मनाया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

छिंदवाड़ा। कन्या महाविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया जिसमें छात्राओं हेतु डॉ सी वी रमन के जीवन एवं रमन प्रभाव विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित करवाया गया। विभाग में अतिथि व्याख्याता के रूप में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के भौतिक शास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ जी वी ब्रह्मे आमंत्रित रहे. कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अस्मिता मुंजे, विभागाध्यक्ष डॉ महिम चतुर्वेदी, डॉ रश्मि नागवंशी, डॉ श्रृद्धा पटेल एवं सोनम अल्डक उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन पलाश तिवारी ने किया।

मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (1से 5 मार्च) हल्के से मध्यम बादल रहने एवं मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है । अधिकतम तापमान 31-33 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 15-16 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 63-66 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 29-32 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम और उत्तर दिशाओ में बहने एवं 02-09 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

अमरवाड़ा नगर में जल संकट आने की संभावना

अमरवाड़ा। सकरवाड़ा जलाशय में पानी खत्म होते नजर आ रहा है। शकरवाड़ा जलाशय से ही नगर में पानी की आपूर्ति की जाती है अमरवाड़ा जल विभाग सभापति

विनोद इंडिया ने बताया की प्रशासन से नहर बंद करने के लिए ज्ञापन भी सौंपेंगे जल विभाग सभापति का कहना है कि नगर पालिका ने प्रशासन को नगर में जल संकट ना आए इसलिए प्रशासन को पहले अवगत भी कराया विरोध भी किया प्रशासन के द्वारा नहर खुलवा दिया गया और वर्तमान में भी नहर चालू है इस वर्ष कम वर्षा होने के कारण जलस्तर कम है समय रहते अगर नहर बंद नहीं किया गया तो आने वाले समय में जल का संकट होने की संभावना बनी हुई है शासन प्रशासन को जल संकट को रोकने के लिए कोई ठोस कदम उठाना पड़ेगा

डॉक्टर मौर्य को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

छिंदवाड़ा। डॉ एम के मौर्य सहायक संचालक ज़िला पशुपालन विभाग व अध्यक्ष म प्र राज्य कर्मचारी संघ छिंदवाड़ा अपनी अर्द्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त

हो गए हैं । उनकी सेवानिवृति पर विभाग द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया । जिसमे मुख्य रूप से डॉ एस डी पक्षवार, श्री एस डी तिवारी व जी सिंग की उपस्थिति में व परिवार के समस्त परिवारजन व कार्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे । साथ ही श्री एस डी तिवारी अध्यक्ष ज़िला पेंशनर संघ, म प्र सँयुक्त मोर्चा अध्यक्ष श्री सतीश गोंडाने, म प्र राज्य कर्मचारी संघ से श्री रमेश शर्मा, दिनेश डेहरिया, डॉ रविन्द्र नागले, डॉ नागेंद्र सूर्यवंशी, एस एल ब्रहमें , संजय डेहरिया, सुदेश शर्मा, भीम अहिरवार व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन, डॉ प्राची चड्ढा, दिनेश लोंगरे द्वारा किया गया ।

शेषराव गावड़े 62 वर्ष पूर्ण कर हो गए सेवा निवृत्त

सौसर। लोक स्थास्थ्य यांत्रिक विभाग सौसर में पदस्थ शेषराव गावड़े जो 62 वर्ष पूर्ण करने के कारण आज वह सेवा निवृत्त हुए इस उपलक्ष्य में स्वागत सत्कार गावड़े का किया गया एक सरकारी कर्मचारी रहते हुए उनका समाज सेवा तथा कर्मचारी संगठन से विशेष लगाव था

मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के अनेक पद पर गांवडे ने अपनी सेवा दी शासकीय मध्य प्रदेश लघु वेतन संघ जिला शाखा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र वाघमारे वरिष्ठ कर्मचारी नेता राजू खडाईक की उपस्थिति में सत्कार समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रतिबंध के बाद चोरी छिपे बिक रहा मटन, चिकन

बिल्लियों में वायरस मिलने से मची थी खलबली पुणे की लैब से निगेटि्व रिपोर्ट आई

छिंदवाड़ा। बर्ड फ्लू को लेकर जिले में अलर्ट जारी किया गया है। देश में पहली बार छिंदवाड़ा में पालतू बिल्लियों में वायरस मिलने के बाद खलबली मच गई थी । इसको लेकर जिले में विशेष एहतियात बरती जा रही है। जानकारी के अनुसार अलर्ट के बाद पुणे लेब की टीम को छिंदवाड़ा छिंदवाड़ा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घरों में पली बिल्लियों के सेंपल लेकर जांच के लिए भेजा था जिसके बाद वर्ड फ्लू बिल्लियों में निगेटि्व आया है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक एवं सेवाएं ने इसकी पुष्टि की है अभी तक इंसानों में वायरस की एंट्री नहीं हुई है। बर्ड फ्लू अलर्ट के बाद कलेक्टर के आदेश पर जिले में सभी मीट, अंडे की बिक्री पर रोक लगाई गई है जिसके चलते चिकन व पोल्ट्री प्रोडक्ट्स के विक्रय व ट्रांस्पोर्टेशन पर पूरी तरह बैन लगा दिया गया है। लेकिन रोक के बाद भी कुछ होटलों में मटन और चिकन कहां से आ रहा है यह आश्चर्य का विषय है। होटलों में लोग मटन और चिकन खा रहे हैं बताया जाता है कि दुकान संचालकों ने मार्केट में मटन और चिकन बेचना तो बंद कर दिया है लेकिन वे घर से इसकी सप्लाई आसानी से कर रहे हैं। और लोगों में मटन चिकन आसानी से उपलब्ध हो जा रहा है। बर्ड फ्लू के चलते चिकन मटन खाने वाले भी परहेज करने लगे थे और प्रतिबंध के चलते पोल्ट्री प्रोडक्ट्स का व्यवसाय ठप्प हो गया था लेकिन बीते कुछ दिनों से शहर के दुकानों से घर पहुंच चिकन बने व्यंजन उपलब्ध करा रही हैं। पशु पालन एवं डेयरी विभाग उपसंचालक डॉ.एच जी एस पक्षवार बताया कि अभी चिकन विक्रय पर अभी पूरी तरह से प्रतिबंध है यदि कोई विक्रय कर रहा है,अवैध सप्लाई की जा रही है इस सबंध में जांच कर कार्रवाई की जाएगी उन्होने बताया कि पूरे देश में पहली बार छिंदवाड़ा में बिल्लियों में एचएसएन 1 वायरस फैला था जिसकी जांच भोपाल लैब में पॉजीटि्व आई थी बाद में जब घरों में पाली गई बिल्लियों के सेंपल लेकर पुणे लैब में जांच कराई गई तो निगेटि्व रिपोर्ट आई है।

सांसद ने सौंसर विकासखंड के ग्रामों में दी 11 लाख के विकास कार्यों की सौगात

बानाबाकोड़ा में 9 लाख से बनेगी सड़क एवं लिंगा में 2 लाख से होगा रंगमंच का निर्माण

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने सौंसर विकासखंड के ग्रामों में 11 लाख के विकास कार्यो की सौगात दी है। उन्होंने अपनी सांसद निधि से बानाबाकोड़ा में 9 लाख रूपये सड़क निर्माण के लिए दिये है वहीं ग्राम लिंगा रंगमंच निर्माण के लिए 2 लाख की राशि स्वीकृत की है। उक्त दोनों कार्य स्वीकृत होने पर ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले का लगातार दौरा करते हुए करोड़ों के विकास कार्यो का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर रहे है। इस दौरान वहां के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों एवं आम जनता के द्वारा अन्य विकास कार्यो के लिए भी उनके समक्ष मांग रखी जाकर उन्हें पत्र दिए जा रहे है। जिसे गंभीरता से लेते हुए सांसद साहू अपनी सांसद निधि देते हुए एवं केन्द्र एवं राज्य सरकार से पत्राचार कर वहां से भी विकास कार्यो के लिए राशि मांग रहे है। केन्द्र एवं राज्य सरकार से भी छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास कार्यो को प्राथमिकता देते हुए फंड उपलब्ध करा रही है।

इस संबंध में सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा है कि शहरवासियों के साथ-साथ ग्रामीणजनों को भी हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध हो। इसी को लेकर केन्द्र एवं राज्य सरकार शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यो के लिए फंड की कमी नहीं होने दे रही है। ग्राम पंचायत बानाबाकोड़ा की सरपंच रशिका जीवनधर बेन्डे व उपसरपंच योगेश येमदे द्वारा भेजे गये सी.सी. रोड निर्माण के प्रस्ताव एवं पांढुर्णा भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप मोहोड, पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़, पिपलानारायणवार के भाजपा मंडल अध्यक्ष सदानंद डोंगरे की अनुशंसा पर सांसद बंटी विवेक साहू ने रामजी बाबा मंदिर देव स्थान जाने के लिए 300 मीटर सी.सी. रोड निर्माण हेतु 9 लाख रूपये अपनी सांसद निधि से प्रदान किये है। वहीं पांढुर्णा भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप मोहोड, पूर्व मंत्री नानाभाऊ मोहोड़ एवं लिंगा भाजपा के मंडल अध्यक्ष धनश्याम कड़वे की अनुशंसा और लिंगा के वार्ड नं. 12 में लोगों द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग पर सांसद बंटी विवेक साहू ने अपनी सांसद निधि से 2 लाख रुपये रंगमंच निर्माण के लिए स्वीकृत किये है। उक्त दोनों कार्य स्वीकृत किये जाने पर बानाबकोड़ा एवं लिंगा के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सांसद बंटी विवेक साहू का आभार व्यक्त किया है।

गोधूली वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर

छिन्दवाड़ा। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा सुशांत हुद्दार की प्रमुख उपस्थिति में गोधूली वृद्धाश्रम छिंदवाड़ा में आज विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश श्री हुद्दार ने उपस्थित वृद्धजनों को वरिष्ठ नागरिक तथा माता-पिता के लिए भरण-पोषण कानून की जानकारी दी तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराकर वरिष्ठ नागरिकों के प्रकरण न्यायालयों में प्रस्तुत कराने के निर्देश दिए। उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को समस्याएं पूछी तथा उनके समाधान के निर्देश वृद्धाश्रम प्रबंधन को दिए। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिंदवाड़ा श्री भूपेश मिश्रा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री विजय खोबरागड़े उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 8 मार्च को

छिन्दवाड़ा। जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छिन्दवाड़ा के 22 जनवरी के पत्रानुसार 8 मार्च (शनिवार) को विद्युत अधिनियम 2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये जिले के विकासखंड छिन्दवाड़ा, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व जुन्नारदेव विद्युत न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। म.प्र. शासन उर्जा विभाग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत लिटिगेशन/प्री-लिटिगेशन के लंबित निम्नदाब श्रेणी के सभी घरेलू, सभी कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू, 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं के विशेष न्यायालय में दर्ज एवं प्री-लिटीगेशन के प्रकरणों में छूट प्रदान करने के प्रावधान किये है। कंपनी द्वारा माननीय विशेष न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं सिविल दायित्व की राशि पर छः माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष लगने वाले ब्याज की राशि में शत-प्रतिशत छूट नियम एवं शर्तों के तहत प्रदान की जायेगी।

अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई, 201 घनमीटर 67 ट्रॉली रेत जब्त

छिंदवाड़ा/परासिया। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग परासिया पुष्पेंद्र निगम के निर्देशानुसार, तथा प्रभारी खनि अधिकारी रविन्द्र परमार के मार्गदर्शन में, जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने किया आकस्मिक निरीक्षण राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने परासिया तहसील के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ग्राम लोहांगी में लगभग 135 घनमीटर (45 ट्रॉली) रेत, तथा ग्राम पलटवाड़ा और तेंदूखेड़ा में लगभग 66 घनमीटर (22ट्रॉली) रेत का अवैध भंडारण पाया गया।201 घनमीटर अवैध रेत जब्त मालिकाना हक के अभाव में, कुल 201 घनमीटर रेत को समक्ष पंच लावारिस जप्त कर लिया गया और सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर निविदा एमडीओ प्रतिनिधि को सौंप दिया गया। इस संबंध में खनिज नियमों के तहत आगामी कार्रवाई हेतु प्रतिवेदन तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाएगा।

अवैध मार्ग किया गया बंद- निरीक्षण के दौरान ग्राम लोहांगी के पेंच नदी क्षेत्र में अवैध रेत निकासी के लिए बनाया गया वैकल्पिक अस्थायी मार्ग भी पाया गया। प्रशासन ने अवैध रेत निकासी पर रोक लगाने के लिए मौके पर ही इस मार्ग को नष्ट कर दिया।इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार राम सूर्यवंशी, सहायक खनि अधिकारी महेश नगपुरे, ग्राम कोटवार, एमडीओ प्रतिनिधि और राजस्व, खनिज तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौजूद रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और भंडारण पर लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। किसी भी प्रकार के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेधावी छात्रा काजल बालापुरे को शासन ने स्कूटी तो पवार ने स्मृति चिन्ह प्रशस्ति पत्र किया भेंट

सांध्य प्रकाश बैतूल। मालवीय वार्ड बैतूल बाजार निवासी रज्जन बालापुरे की बेटी कुमारी काजल बालापुरे को कक्षा 12 वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम लाने पर शासन द्वारा स्कूटी प्रदान की गई। काजल ने कक्षा 12 वी में 79.4 प्रतिशत के साथ स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। काजल की इस उपलब्धि पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार एवं वार्ड पार्षद पूजा पवार ने बालापुरे के मालवीय वार्ड स्थित निवास पहुंचकर बधाई दी। साथ ही प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर मेधावी बेटी का सम्मान कर उज्जवल भविष्य की कामना की। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री पवार ने शिक्षा संबंधी हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। काजल के खाते में शासन द्वारा लैपटॉप की राशि भी जमा कराई गई है। इसके अलावा बाहेती स्मृति पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। आगे शिक्षा जारी रखने के लिए उसे कक्षा दसवीं से प्रतिवर्ष बाहेती स्मृति छात्रवृत्ति भी प्रदाय की जाती है।

महाशिवरात्रि पर बैतूल के 7 मेलों में 1883 श्रद्धालुओं को मिला आयुष चिकित्सा लाभ

बैतूल। महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले के सात प्रमुख मेला स्थलों पर निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर संचालनालय आयुष विभाग मध्य प्रदेश शासन, भोपाल के निर्देश पर जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन और जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर के निर्देशन में लगाया गया। इन शिविरों में कुल 1883 श्रद्धालुओं को आयुर्वेद और होम्योपैथी औषधियों का लाभ दिया गया। मेलों में आए लोगों को वैद्य आपके द्वार योजना, आयुष क्योर ऐप, औषधीय पौधों की जानकारी, योग के महत्व और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के बारे में भी बताया गया। जिले के सात स्थानों पर लगे शिविरों में आयुर्वेद और होम्योपैथी चिकित्सा सेवाएं दी गईं। खेड़ला किला शिव मंदिर में नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति कुमरे, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. राजेश जाधव के निर्देशन में 260 लाभार्थियों को औषधियां दी गईं। धनगौरी नागदेव मंदिर मोरखा में डॉ. ज्ञानेश्वर झरबडे और डॉ. ललित चौधरी की देखरेख में 190 लोगों ने लाभ उठाया। सोना घाटी शिव मंदिर में डॉ. नरेंद्र डडोरे और डॉ. रजनी बड़ोदे द्वारा 324 लाभार्थियों को निःशुल्क औषधियां वितरित की गईं। सालबर्डी शिव मंदिर में डॉ. राहुल झरबडे और सहायक नोडल अधिकारी तरुलता आठनेर की देखरेख में 313 श्रद्धालुओं को औषधियां दी गईं। गुफा मंदिर में डॉ. विशाल वर्मा और डॉ. प्रीति पाटनकर ने 285 लाभार्थियों को चिकित्सा दी। गुप्तवाड़ा भैंसदेही में डॉ. प्रियंका अहिवार और डॉ. प्रमोद बारस्कर ने 182 लोगों को उपचार दिया।

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने किया होम स्टे के प्रचार पोस्टर का विमोचन

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किए गए पर्यटन ग्रामों और वहाँ बने सुंदर होम स्टे के प्रचार पोस्टर का विमोचन कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में किया गया। यह पोस्टर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद ने प्रकाशित करवाया है, जिसे जिले के प्रमुख स्थानों पर चस्पा किया जाएगा।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि इसे लंबी दूरी की बसों सहित सभी होटल्स व रेस्टोरेंट में भी लगाया जाए। पोस्टर में पर्यटन ग्राम सावरवानी, चोपना, काजरा, चिमटीपुर, धूसावानी, गुमतरा, देवगढ़ की विस्तृत वर्णन व होम स्टे बुकिंग के नंबर दिए गए हैं, ताकि देश में कहीं से भी होम स्टे बुक किया जा सके। पोस्टर विमोचन अवसर पर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी श्री बलराम राजपूत, पर्यटन प्रबंधक श्री गिरीश लालवानी, वरिष्ठ पत्रकार सर्व श्री रत्नेश जैन, राजेश करमेले, महेंद्र राय, मुकेश तिवारी, तौफीक मिस्किनी, देवेंद्र ठाकुर उपस्थित थे।

बजट सहित करोड़ों के विकास कार्यों को परिषद ने दी स्वीकृति

अमरवाड़ा। नगरपालिका परिषद अमरवाड़ा की बैठक सभाकक्ष में अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमे विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति परिषद ने दी । संपन्न बैठक में वर्ष 2025-26 के 57 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत प्रस्तावों में- वार्ड 06 में दो करोड़ की लागत से तालाब में फ़वारा फुट वे घाट निर्माण सौंदर्यीकरण कराने, एसडीआरएफ़ योजना के अंतर्गत नाला निर्माण कराने, नगर में बड़े सभागार की कमी को देखते हुए विशाल आडिटोरियम हाल निर्माण करने एवम् सार्वजनिक इतवारा बुधवारा पशु बाज़ारो की वार्षिक नीलामी करने के प्रस्ताव पारित किए गए । बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा सभापति कल्पना साहू, संजू सूर्यवंशी नीतू पटेल आरिफ़ शाह विनोद साहू इंडिया राजकुमार बरकड़े अर्पित श्रीवास्तव, पार्षद- सुशीला शर्मा, संतोषी वंस्कार दीपा सूर्यवंशी सुरक्षा जैन राजेश अहरवार सीएमओ रोशन सिंह बॉथम उपयंत्री श्रुति शुक्ला प्रभारी लेखपाल मनोज ठाकुर राजस्व प्रभारी जितेंद्र गौर उपस्थित रहे ।

प्राथमिक शाला बीजाढाना में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक निलंबित

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा प्राथमिक शाला बीजाढाना के प्राथमिक शिक्षक श्री प्रभुदयाल परतेती को शराब का सेवन कर शाला में उपस्थित होने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उच्च श्रेणी शिक्षक के विरुद्ध निलंबन के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा विकासखंड हर्रई की शासकीय माध्यमिक शाला हड़ाई के उच्च श्रेणी शिक्षक भुवनलाल सनोडिया को सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना, आवेदन पत्र को बिना अग्रेषण के सीधे जनसुनवाई में जिला कलेक्टर को आवेदन प्रस्तुत करने पर निलंबन के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है । कलेक्टर सिंह ने बताया कि विकासखंड हर्रई की शासकीय माध्यमिक शाला हड़ाई संकुल केन्द्र सुरलाखापा के उच्च श्रेणी शिक्षक भुवनलाल सनोडिया के द्वारा जनसुनवाई में जिला कलेक्टर के नाम से पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया कि उनका एक्सीडेन्ट होने के कारण चलने में असमर्थ हैं।

छिंदवाड़ा के रंगकर्मियों ने किया कर्नाटक में नाम रोशन

छिन्दवाड़ा। युवा नाट्य रंगकर्मी प्रवीण चौरागड़े द्वारा हर घर अभिनय हर घर नाट्य,घर घर रंगकर्मी हर घर रंगकर्मी के महाअभियान के अंतर्गत 70 नुक्कड़ नाटको का मंचन फ़रवरी के अर्ध माह से अंत तक कर्नाटक में किया गया, प्रवीण चौरागड़े और अदिति जोशी ने कर्नाटक के बंटावाला, सक्लेश्पुर , कदुर , बिरुर , हरिहर,कबाका पुत्तूर , सुभ्र मान्य रोड ,हसन , बयादरी , धारवाड़, मंगलोर, हावेरी, खानपुर , वेलागावी , याल्विगी और हुब्बली में किया गया, अब तक केरला और कर्नाटक में 132 नुक्कड़ नाटको का मंचन किया जा चूका है महाअभियान में 250 दिनों में 1000 नुक्कड़ नाटक किये जाने हैं जिसका उद्येश्य देश के हर घर तक नाट्य विधा को ले जाना है साथ ही लोगो को इस विधा से जुड़ने हेतु जागरूक और प्रोत्साहित करना है इसी क्रम में मंगलौर के अलॉयसियस कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ प्रवीण मार्टिस ने इस अभियान की बहुत तारीफ की, साथ ही कर्नाटक में हो रहे इस अभियान के लिए प्रवीण चौरागड़े और अदिति जोशी को शुभकामनाये दी।

सेवानिवृत्ति प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक महत्वपूर्ण घटना है : मेवाड़ा

आष्टा। सेवानिवृति के बाद सबसे पहले उसे अपने आपको बूढ़ा नहीं मानना चाहिए। घर और बाहर के बहुत से ऐसे कार्य होते हैं जिन्हें व्यक्ति सरकारी सेवा में रहते हुए कर्मचारियों के दायित्वों के कारण पूरे नहीं कर पाता है। शासकीय सेवा में रहते हुए अपने परिवार को ज्यादा समय नहीं दे पता है, किंतु अब उसके पास समय ही समय है अब यह पूरा समय अपने परिवार के साथ खूब खुशी-खुशी व्यतीत करें। इस आशय के विचार नगरपालिका सभाकक्ष में आयोजित मदनमोहन शर्मा के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने व्यक्त किए। ज्ञात रहे कि मदनमोहन शर्मा ने 31 वर्षो तक नगरपालिका में भृत्य के पद पर पदस्थ रहकर सेवाएं दी है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, हिउस अध्यक्ष कालू भट्ट, डॉ. सलीम खान, मेहमूद अंसारी द्वारा सेवा निवृत्त कर्मचारी मदनमोहन शर्मा का शाल-श्रीफल भेंटकर एवं पुष्पमाला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विदाई दी गई। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने इस मौके पर कहा कि शासकीय सेवा में रहते हुए जिन लोगो से मिलना-जुलना नहीं हो पाता था।

राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं कॉन्फ्रेंस सिवनी में 1 से 4 मार्च तक

22 राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त होंगे शामिल

सिवनी- विभिन्न राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं कॉन्फ्रेंस सिवनी जिले के पेंच राष्ट्रीय उद्यान में 01 से 04 मार्च तक आयोजित की जा रही है। इस कॉन्फ्रेंस में 22 राज्यों के राज्य निर्वाचन आयुक्त शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस में राज्य निर्वाचन आयुक्त स्थानीय निकायों के निर्वाचन के दौरान आई चुनौतियों तथा उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे। साथ ही नवाचारों और सुधारों से भी अवगत करायेंगे। कॉन्फ्रेंस के दौरान स्थानीय निकायों के निर्वाचन में नई तकनीकों के उपयोग पर भी चर्चा होगी।

आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रमानुसार 02 मार्च को कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ होगा। प्रथम सत्र में मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग सचिव अभिषेक सिंह द्वारा ई-पोलिंग बूथ तथा पेपरलेश बूथ के माध्यम से प्रदेश में पंचायत निर्वाचन कराए जाने की प्रक्रिया का प्रेजेंटेशन दिया जाएगा तथा फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। इसी तरह स्वचलित लोकल बॉडी इलेक्शन प्रक्रिया के संबंध में आन्ध्रप्रदेश निर्वाचन आयोग आयुक्त नीलम साहनी द्वारा प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। द्वितीय सत्र में राज्य आयुक्तों की स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक आयोजित होगी। जिसमें स्थानीय निकायों के निर्वाचन के दौरान आई चुनौतियों तथा उनसे निपटने के उपायों पर चर्चा करेंगे।

सोमवार 3 मार्च को स्थानीय निर्वाचन प्रक्रिया के उन्नयन के लिए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता लाकर लोकतंत्र को मजबूत करने, दूरस्थ मतदाता के पंजीयन तथा ऑनलाईन मतदान की कार्ययोजना सहित स्थानीय निर्वाचन में नवीन तकनीकों को अपनाऐं जाने जैसे विभिन्न बिंदुओ पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। साथ ही इलेक्ट्रानिक कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रिकल्स कार्पोरेशन, आईआईटी लिमिटेड बैंगलोर प्रतिनिधियों सहित अन्य निर्वाचन सामग्री उपलब्ध कराने संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा नए इनोवेशन की जानकारी दी जाएगी। 04 मार्च को राज्य आयुक्तों का शैक्षणिक भ्रमण होगा। इस दौरान मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पेपरलेश बूथ का प्रदर्शन किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस में आंध्र प्रदेश की राज्य निर्वाचन आयुक्त नीलम साहनी, दिल्ली-चण्डीगढ़ के डॉ. विजय देव, गोवा के दौलत हवलदार, झारखण्ड के डॉ. बी.के. तिवारी, कर्नाटक के जी.एस. संगरेशी, राजस्थान के मधुकर गुप्ता, उड़ीसा के मधुसूदन पाधी, तेलंगाना की आई. रानी कुमुदिनी, हिमाचल प्रदेश के अनिल कुमार खांची, असम के आलोक कुमार, तमिलनाडु की बी. जोथी निर्मलासामी, महाराष्ट्र के दिनेश टी. वाघमारे, सिक्किम के के.सी. लेप्चा, जम्मू-कश्मीर के बी.आर. शर्मा, केन्द्र शासित प्रदेश दादरनागर हवेली, दमन एवं दीव के सुधांशु पाण्डे, त्रिपुरा के शरदेंदु चौधरी, गुजरात के डॉ. एस. मुरलीकृष्णन, उत्तर प्रदेश के राज प्रताप सिंह, उत्तराखण्ड के सुशील कुमार, बिहार के डॉ. दीपक प्रसाद और केरल के राज्य निर्वाचन आयुक्त ए. शाहजहाँ तथा मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार श्रीवास्तव शामिल होंगे। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोगों के सचिव एवं अन्य अधिकारी भी शामिल होंगे।

के के माली मित्र मंडली का हुआ गठन

सिरोंज। माली समाज के लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने पुरानी कृतियों को समाप्त करने से लेकर सभी सामाजिक कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से हो और विभिन्न आयोजनों में समाज के लोग सम्मिलित होकर उत्सव पूर्वक कार्य करें इस उद्देश्य को लेकर के के माली मित्र मंडी का गठन हुआ है। श्री माली ने बताया कि के के माली की मित्र मंडली का गठन शहर से निकलने वाली हर समाज की शोभायात्रा का स्वागत सत्कार बंधन अभिनंदन करने हेतु गठन किया गया श्रीमाली की मंडली द्वारा शहर में निकलने वाले हर समाज की शोभायात्रा चल समारोह धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों की निकलने वाली यात्राओं का स्वागत सम्मान उनकी मंडली द्वारा बाजार में किया जाएगा हर समाज के प्रति समर्पित श्रीमाली की मंडली ने यह प्रण लिया है।

राहुल गांधी से समय समय पर चर्चा होती रहती है: कमलनाथ

जिले भर के में शिवालय में गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा: नकुलनाथ

छिंदवाड़ा, गोविंद चौरसिया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिंदवाड़ा के विधायक कमलनाथ ने एक चर्चा में कहा कि वे राहुल गांधी से समय-समय पर चर्चा करते रहते हैं। एआईसीसी की भी हमारी मीटिंग होने वाली है कमलनाथ है

आप राहुल गांधी के परिवार के सदस्य हैं आपके विश्वस्त पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने कांग्रेस क्यों छोड़ी तो कमलनाथ ने कहा कि उन्हें भाजपा में ज्यादा फायदा दिखा इसलिए वे चले गए वह मुझे भी भाजपा में ले जाने की बात कर रहे थे लेकिन मैं कांग्रेस नहीं छोड़ूंगा। कमलनाथ एवं नकुलनाथ दौरे छिंदवाड़ा आए हैं नकुलनाथ ने अपने निवास स्थान पर गंगा जल का पूजन किया नकुलनाथ ने महाकुंभ स्नान किया था, उन्होंने कहा कि जिलेभर की जितने भी शिवालय हैं वहां पर गंगा जी के जल से अभिषेक किया जाएगा जिससे जिले का विकास एवं सुख शांति बनी रहे। मुख्यमंत्री के रहते जो प्रोजेक्ट चालू किए थे वह भाजपा ने बंद करवा दिए इस पर उन्होंने कहा कि जिले के विकास के लिए भाजपा को सभी प्रोजेक्ट चालू रखना चाहिए।

जन औषधि दिवस 2025: भोपाल में बड़े स्तर पर आयोजन, रैली निकाली गई

भोपाल। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत जन औषधि दिवस 2025 के अवसर पर भोपाल में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस मौके पर सीएमओ प्रभाकर तिवारी, स्टेट फार्मेसी अध्यक्ष संजय जैन, पार्षद एवं अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पार्षद बृजला शशांक समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।कार्यक्रम के तहत मेडिकल स्टोर्स और फार्मेसी संगठनों द्वारा रैली का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने शुक्रवार की शाम समाजसेवी दिलीप सूर्यवंशी के पुत्र के विवाह समारोह में पहुंचकर नव दंपती को आशीर्वाद प्रदान किया।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सागर में नरयावली विधायक प्रदीप लारिया के निवास पर पहुंचकर उनके दिवंगत पिता स्व. कुदउँ लारिया को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज चांद दिखने पर 2 मार्च से शुरू होगा पहला रोजा

नई दिल्ली। मुस्लिम समुदाय के लिए रमजान का महीना बेहद पवित्र और महत्वपूर्ण होता है। इस्लामी कैलेंडर के नौवें महीने रमजान में मुसलमान उपवास रखते हैं और प्रार्थना करते हैं। इस साल रमजान का चांद 1 मार्च को दिखने की उम्मीद है, जिसके बाद 2 मार्च से पहला रोजा रखा जाएगा। रमजान इस्लाम धर्म में विशेष महत्व रखता है। इस दौरान मुसलमान सुबह सेहरी खाकर उपवास की शुरुआत

करते हैं और शाम को इफ्तार के साथ उपवास खोलते हैं। यह महीना आत्मशुद्धि, प्रार्थना और दान पुण्य का होता है। इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार, इसी महीने में पैगंबर मोहम्मद साहब को कुरान शरीफ का ज्ञान प्राप्त हुआ था। रमजान की शुरुआत से पहले मस्जिदों, मदरसों और घरों में तैयारियां पूरी की जा रही हैं। मस्जिदों को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया है और तरावीह की नमाज के लिए सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। तरावीह की नमाज रमजान के दौरान रात में पढ़ी जाती है और इसे बहुत पुण्यदायी माना जाता है। रमजान के रोजे हर स्वस्थ व्यस्क मुसलमान के लिए फर्ज हैं। हालांकि, बीमार व्यक्ति, गर्भवती महिलाएं और यात्रा पर होने वाले लोगों के लिए छूट है। रोजे के दौरान बुराइयों से परहेज करना और पांच वक्त की नमाज पढ़ना जरूरी है।

शिवराज के बड़े बेटे कार्तिकेय के विवाह की रस्में हुई पूरी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय की विवाह रस्में में जारी है। 12 मार्च को भोपाल के जंबूरी मैदान में रिसेप्शन रखा गया है। इसी सिलसिले में शिवराज सिंह चौहान ने बीती रात एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि हमारे बड़े बेटे कार्तिकेय के विवाह की शुभ घड़ियां चल रही है । बंसल परिवारजन आज हमारे यहाँ लगुन लेकर आए और हमें बारात लेकर आने का निमंत्रण दिया। बेटी अमानत हमारे परिवार की बड़ी बहू बनने जा रही है, बिटिया अमानत परिवार के गौरव को बढ़ाएगी और परंपराएं निभाएगी। लगुन के दौरान परिवार ने सनातन परंपराओं के निर्वहन के साथ विधिवत गणेश पूजन, गौरी पूजन किया। साथ ही सत्यनारायण कथा भी संपन्न हुई।

आज से इंदौर में दूध का रेट दो रुपए प्रति लीटर बढ़ा

इंदौर। इंदौर शहर में शनिवार एक मार्च से दूध के दाम में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है। शहर में दूध व्यापारी संगठनों ने दाम बढ़ाने की घोषणा की है। इंदौर दूध विक्रेता संघ और मप्र दुग्ध व्यवसायी संघ ने घोषणा की है कि एक

मार्च से दुकानों पर दूध की बिक्री 62 रुपये प्रति लीटर के दाम पर और बंदी का दूध 60 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से मिलेगा। बंदी के दूध में सेवा शुल्क अलग से लिया जाएगा। मार्च से लागू ये दूध के दाम अगस्त तक प्रभावी होंगे। इंदौर दूध विक्रेता संघ के अध्यक्ष भारत मथुरावाला के अनुसार दूध के दाम बढ़ाने से विक्रेताओं को कोई लाभ नहीं होगा। गर्मी में चारे, पशु आहार की कमी होती है और दाम बढ़ते हैं। दूध की लागत बढ़ने के साथ किसानों के हित में दाम बढ़ाना आवश्यक है। बढ़े दामों का पैसा भी किसान के पास जाएगा।

अब ईएसबी की परीक्षाओं के रिजल्ट नार्मलाइजेशन की जगह एनईपी फार्मूले से बनेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) इस साल से परीक्षा संचालन से लेकर परिणाम तैयार करने में नई तैयारी कर रहा है। अब तक ईएसबी की कई परीक्षाओं के परिणाम में यह मामले सामने आते रहे हैं कि अभ्यर्थी को पूर्णांक से अधिक अंक मिल गए। इसे लेकर भर्ती परीक्षाओं के परिणाम तैयार करने में अब नार्मलाइजेशन फार्मूले में बदलाव करते हुए नार्मलाइज्ड इक्वी-पर्सेंटाइल (एनईपी) स्केलिंग टेक्निक अपनाई जाएगी। ईएसबी भोपाल निदेशक साकेत मालवीय बताते हैं कि अभी नार्मलाइजेशन फार्मूले के कारण ऐसे कई प्रकरण देखने को मिले, जिनमें परीक्षार्थी ने पूर्णांक से ज्यादा स्कोर प्राप्त

किया। इस कारण नया फार्मूला एनईपी तैयार किया गया है। इस संबंध में ईएसबी ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस पद्धति का उपयोग इस साल से सभी परीक्षाओं में किया जाएगा। इसके लिए ईएसबी ने चार अगस्त 2016 के आदेश को निरस्त करते हुए नई प्रक्रिया तय की है। अब जिन परीक्षाओं का आयोजन एक से अधिक पारी में होगा, उनके परिणाम एनईपी पद्धति के आधार पर तैयार होंगे। इसमें एक पारी में एक से अधिक विषय के प्रश्नपत्र देने वाले आवेदकों और बहु चरणीय परीक्षाओं के परिणाम इसी पद्धति से तैयार किए जाएंगे।एक चरणीय परीक्षा के परिणाम के लिए प्रत्येक पारी में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या और उनके स्कोर के आधार पर पर्सेंटाइल निकाला जाएगा। फिर सभी पारी के पर्सेंटाइल स्कोर को मिलाकर अंतिम प्रावीण्य सूची तैयार होगी।बहु चरणीय परीक्षा के पहले चरण के पर्सेंटाइल स्कोर के आधार पर वेल्यू निकाली जाएगी। फिर टी-स्कोर की गणना होगी, जिसमें पेपर के अधिकतम अंकों का आधा और मानक को ध्यान में रखा जाएगा।